पहली डेट पर सुज़ैन ने भरा था ऋतिक का बिल... पेज 5

जय हिन्द जनाब

तापमान 27 °C | °F 16 °C | °F

हर नज़र पर ख़बर — हर ख़बर पर नज़र

आर्द्रता 48 % वात 19 KM/H

छठ की तैयारियां पूरी, बैराज में आएंगी 60 हजार महिलाएं... पेज 6

वर्ष : 18, अंक : 233 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए UPHIN/2005/14445 www.jaihindjanab.com नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) बुधवार, 26 अक्तूबर 2022

खड़गे ने संभाली कांग्रेस की कमान

सोनिया-राहुल की साऊथ में कांग्रेस को बढ़ाने की कोशिश, भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस का दूसरा बड़ा दांव

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली। मल्लिकार्जुन खड़गे आधिकारिक तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष बन गए हैं। एआईसीसी मुख्यालय दिल्ली में चुनाव अधिकारी मधुसूदन मिस्त्री ने उन्हें जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। अध्यक्ष बनने के बाद अपने पहले भाषण में खड़गे ने पार्टी में 50 फीसदी पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को देने का ऐलान किया। खड़गे ने कहा- उदयपुर अधिवेशन में पार्टी के 50त्न पद 50 साल से कम उम्र के लोगों को दिए जाने के प्रस्ताव पर अमल किया जाएगा।

भाजपा के कांग्रेस मुक्त भारत के नारे पर तंज कसते हुए खड़गे ने कहा- नया भारत बनाने के लिए वे कांग्रेस मुक्त भारत बनाना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि जब तक कांग्रेस मौजूद है, तब तक वे ऐसा नहीं कर सकते। हम ऐसा नहीं होने देंगे और इसके लिए लगातार लड़ाई जारी रखेंगे।

खड़गे ने कहा- आज मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। आज एक सामान्य कार्यकर्ता को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुनकर ये सम्मान देने के लिए मैं आप सबको हार्दिक धन्यवाद देता हूं। कांग्रेस झूठ और नफरत का दायरा तोड़ेगी। लोगों से अपील है कि वे पार्टी के लिए नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने के लिए साथ आएं।

खड़गे ने कहा कि मैं जानता हूं कि यह कठिन समय है, कांग्रेस ने जिस लोकतंत्र की स्थापना की थी, उसे बदलने की कोशिश की जा रही है। भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल गांधी को धन्यवाद, इससे पूरे देश में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। इस मौके पर कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने कहा कि खड़गे को अध्यक्ष पद की कमान सौंपकर वे राहत महसूस कर रही हैं। उनके सिर से बड़ा बोझ उतर गया है। उन्होंने कहा- मैं नए पार्टी अध्यक्ष खड़गे जी को बधाई देती हूं। सबसे अधिक संतोष इस बात का है कि जिन्हें अध्यक्ष चुना है, वे एक अनुभवी और धरती से जुड़े हुए नेता हैं। एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में काम करते हुए अपनी मेहनत और समर्पण से इस ऊंचाई तक पहुंचे हैं। सोनिया ने अपने कार्यकाल के लिए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद भी दिया।

करेंसी पर लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर हो : अरविंद केजरीवाल

दोनों का आशीर्वाद रहा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी

जय हिन्द संवाद

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की है कि भारतीय करेंसी के पीछे की तरफ श्रीलक्ष्मी-गणेश की तस्वीर छापी जाए। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिवाली पर लक्ष्मी पूजन करते हुए उनके मन में ऐसे भाव आए थे, जिन्हें वे सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि हम देख रहे हैं कि देश की अर्थव्यवस्था कमजोर है। हम आज भी विकासशील ही हैं, गरीब ही हैं। हम सब चाहते हैं कि भारत अमीर देश बने। हम सब चाहते हैं कि सब भारत वासी अमीर परिवार बने। हमें बहुत सारे प्रयास करने की जरूरत है।

हमें स्कूल, अस्पताल, बड़ी संख्या में इंफ्रास्ट्रचर तैयार करना होगा। हम कोशिशें भी करते हैं लेकिन हम देखते हैं कि नतीजे नहीं आ रहे हैं। इसके लिए हम कई तरीके की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन अगर देवी-देवताओं का आशीर्वाद हो तो नतीजे आते हैं।

केजरीवाल ने कहा कि दिवाली पूजन करते समय में मन में यह विचार आया, जिसे मैं 130 करोड़ देशवासियों की तरफ से सरकार के सामने रख रहा हूं।

केजरीवाल ने कहा कि दिवाली पूजन करते समय में मन में यह विचार आया, जिसे मैं 130 करोड़ देशवासियों की तरफ से सरकार के सामने रख रहा हूं।

केजरीवाल ने आगे कहा कि हम सब ने दिवाली पर प्रार्थना की। सब ने लक्ष्मी मां और गणेश जी की पूजा की होगी। बिजनेसमैन तो अपने दफ्तर में, अपने कमरों में श्री लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति रखते हैं। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें।

खास खबर

लोकतंत्र की खूबसूरती

नोएडा। ब्रिटेन ने कभी पूरे विश्व पर राज किया था। निश्चित तौर पर उसके हुकमरानों में कोई तो ऐसी बात होगी जो उन्हें ओरो से अलग करती होगी। लोकतंत्र की खूबसूरती अगर देखनी है तो ब्रिटेन में ही देखी जा सकती है। ब्रिटेन में आम आदमी के अधिकार भले ही वह किसी भी मूल का हो कितने मजबूत है। इसका अदांजा सुनक का ब्रिटेन के पीएम बनना बताता है। यह पहली बार है कि जब वहां पर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री दोनों ही भारतीय मूल के है। इससे पता चलता है कि वहां लोकतंत्र और मानवधिकार कितने मजबूत है। लंदन में मेयर मुस्लिम है, किंग किश्चन है और प्रधानमंत्री हिंदू। यानि अमर अकबर एंथोनी।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे की पीट-पीटकर हत्या

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में रोड रेज की एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. मामूली से पार्किंग विवाद के बाद 4-5 अज्ञात हमलावरों ने घटना को अंजाम दिया है। वारदात में रिटायर्ड पुलिसकर्मी के बेटे की मौत हो गई है. पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. अब उनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

मृतक अरुण

पुलिस के मुताबिक रोड रेज की वारदात का शिकार हुआ युवक अरुण (35) टीला मोड़ थाना इलाके के ग्राम जावली का है। वह अपने 2 दोस्तों के साथ मंगलवार रात करीब 9.30 बजे खाना खाने के लिए गया हुआ था। इस दौरान कार पार्किंग को लेकर उसका कुछ अज्ञात युवकों से विवाद हो गया।

विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया कि 5-6 अज्ञात युवकों ने अरुण के साथ बुरी तरह मारपीट शुरू कर दी. इस दौरान अरुण गंभीर रूप से घायल हो गया।

गाजियाबाद से नोएडा और दिल्ली जाने वालों को मिला एक और रास्ता

जय हिन्द संवाद

गाजियाबाद। सिटी से लाइनपार को जोड़ने वाला धोबीघाट आरओबी (रोड ओवरब्रिज) हल्के वाहनों के लिए खोल दिया गया है। सांसद जनरल (रिटायर्ड) वीके सिंह ने दिवाली पर इसका निरीक्षण किया और हल्के वाहनों के लिए खोलने का निर्देश दिया। आरओबी खुलने से नोएडा से दिल्ली जाने वालों को एक और रास्ता मिल जाएगा। चौधरी मोड़ के पास बनी पुलिस चौकी हटने के बाद इसका औपचारिक उद्घाटन कराने की तैयारी है।

नोएडा और दिल्ली जाने वाले अभी मेरठ तिराहे या लालकुआं के पास जाम से जूझते हुए जाते हैं। धोबीघाट आरओबी खुलने से विजय नगर के रास्ते 5 से 8 मिनट में एनएच-9 पर पहुंच सकेंगे। इससे करीब 20-25 मिनट का वक्त बचेगा। लाइनपार में 20 से ज्यादा कॉलोनियों में रहने वाले 5 लाख से ज्यादा लोग इस आरओबी की 40 वर्षों से मांग कर रहे थे। उन्हें शहर में आने के लिए गोशाला अंडरपास और कोटगांव के रेलवे फाटक के जाम में फंसना पड़ता था। धोबीघाट आरओबी के निर्माण पर करीब 110 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। प्रॉजेक्ट बना था, तभी तय हुआ था कि जीडीए और रेलवे आधा-आधा खर्च वहन करेंगे। जीडीए ने अब तक सिर्फ 15 करोड़ रुपये रेलवे को दिए हैं। रेलवे बकाया 40 करोड़ रुपये भी मांग रहा है।

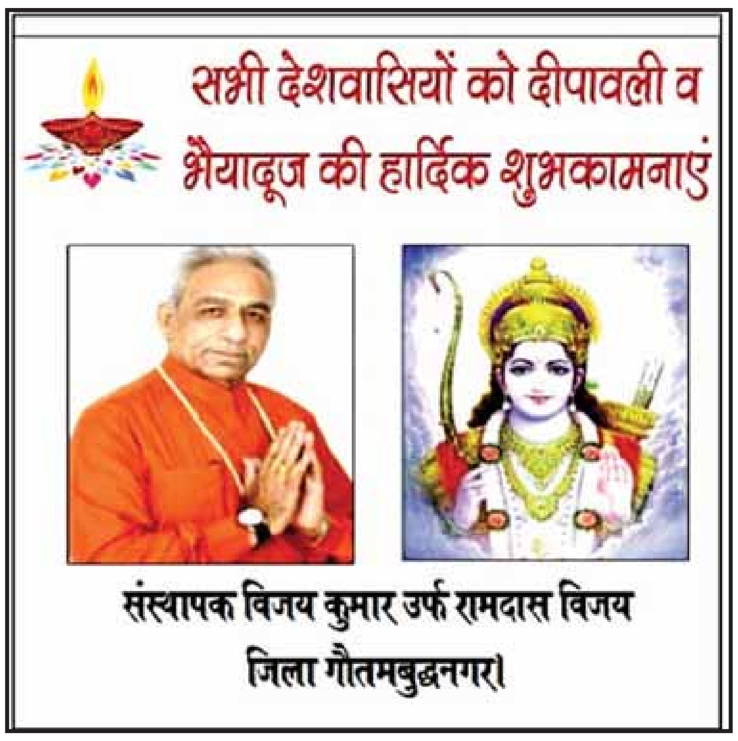

- अर्ज है

जनाब ...

सुनक भारतीय मूल के, पाक ने अपना बताया : खबर

जनाब-ए-आली

और सुनक से किसी ने पूछा...!

सुनक की केबिनेट में भी कई पुराने मंत्री, कहा, पूरा करेंगे किए गए वादे

जय हिन्द संवाद

ब्रिटेन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपने मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण नियुक्तियों के साथ अपनी शीर्ष टीम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 42 वर्षीय ऋषि सुनक ने देश में आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए पूर्ववर्ती लिज ट्रस के नेतृत्व वाली सरकार में हाल में वित्त मंत्री बनाए गए जेरेमी हंट को पद पर बरकरार रखने का फैसला किया है। साथ ही, भारतीय मूल की सुएला ब्रेवरमैन को गृह मंत्री के पद पर वापस लाया गया है। सुनक के प्रति वफादार नहीं होने के बावजूद विदेश मंत्री के रूप में जेम्स क्लीवरली भी अपने पद पर बने रहेंगे। ऐसा करके सुनक ने निरंतरता को बनाये रखा है।

जहां तक सुएला ब्रेवरमैन की बात है तो आपको याद दिला दें कि लिज ट्रस की तत्कालीन सरकार में भी वह गृह मंत्री रही थीं। उन्होंने लिज ट्रस सरकार के कामकाज से नाखुशी जताते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। ब्रेवरमैन के त्यागपत्र से ही लिज ट्रस की प्रधानमंत्री की कुर्सी पर संकट गहरा गया था। हालांकि यह देखना अभी बाकी है कि आव्रजन पर ब्रेवरमैन के सख्त रूख से नये मंत्रिमंडल में कैसे बात बनती है क्योंकि वीजा की समयावधि बीत जाने के बाद भी भारतीयों के ठहरने के बारे में उनके बयान से वर्तमान भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) वार्ता को बड़ा नुकसान पहुंचा है। उधर, केमी बैडेनोच के विदेश व्यापार मंत्री के रूप में अपने पद पर बने रहने से वर्तमान एफटीए वार्ता को कुछ स्थायित्व मिल सकता है।

हम आपको याद दिला दें कि पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने जेरेमी हंट को इस महीने की शुरुआत में देश का वित्त मंत्री नियुक्त किया था। हंट ने लिज ट्रस द्वारा करों में कटौती से संबंधित मिनी बजट को वापस ले लिया था। जेरेमी हंट ऋषि सुनक के सहयोगी रहे हैं और ऐसी उम्मीद जताई जा रही थी कि वह अपने पद पर बने रहेंगे। जेरेमी हंट ने वित्त मंत्री के रूप में बरकरार रखे जाने के बाद ट्वीट किया, ''यह कठिन होने जा रहा है। लेकिन, कमजोर तबके के लोगों के अलावा लोगों की नौकरियों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता होगी।

पीएम सुनक का पहला संबोधन

उधर, ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि प्रधानमंत्री के तौर पर बोरिस जॉनसन की 'अतुल्य उपलब्धियों' को लेकर वह हमेशा उनके आभारी रहेंगे। साथ ही, सुनक ने जोर देते हुए कहा कि 2019 में कंजरवेटिव पार्टी को मिला जनादेश किसी एक व्यक्ति की 'व्यक्तिगत संपत्ति' नहीं है। उन्होंने कहा कि ''उस जनादेश के मूल में हमारा घोषणापत्र है।'' प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद अपने पहले संबोधन में हर स्तर पर अपनी सरकार द्वारा सत्यनिष्ठा, पेशेवर व्यवहार रखने और जवाबदेही लेने का संकल्प लेते हुए सुनक ने कहा, ''मैं सरकार के वादों को पूरा करूंगा।

PRIYAGOLD

Breaking

>> नई दिल्ली : 26 से 28 अक्टूबर तक बदतर रहेगी दिल्ली की एयर क्वालिटी >> नई दिल्ली : राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत आज दिल्ली में सोनिया से मुलाकात

>> बांग्लादेश : काली मंदिर में तोड़फोड़ के बाद 4 आरोपी गिरफ्तार >> मुंबई : सीएम एकनाथ शिंदे पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले शख्स के खिलाफ एफआईआर

विधायक मन्नू अंसारी के गनर पर चाकुओं से हमला

हालत नाजुक देख डाक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर

जय हिन्द संवाद

सुलतानपुर। मऊ के मोहम्मदाबाद सीट से विधायक मन्नू अंसारी के गनर पर चाकुओं से हमलाकर हमलावर कार्बाइन छीनकर फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस अधिकारी जांच पड़ताल में जुटे हैं।

मंगलवार की शाम सिपाही श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन से आ रहा था। कुछ लोगों ने ट्रेन स्टेशन पहुंचने से पहले ही रोक ली। सिपाही पर चाकुओं से हमलाकर असलहा छीना और वहां से फरार हो गए। लहूलुहान सिपाही को जीआरपी ने ट्रेन से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत नाजुक देख डाक्टरों ने उसे ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

मन्नू अंसारी वर्तमान में मोहम्मदाबाद सीट से विधायक हैं। उनके गनर राकेश ट्रेन से सुलतानपुर के रास्ते जा रहे थे। जंक्शन पहुंचने से पहले घटना हो गई। इसके बाद राजगीर से नई दिल्ली जा रही श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन को काफी देर तक जंक्शन पर रोके रहा गया और हमलावरों को पकड़ने के लिए छानबीन भी की गई ।हालांकि अब तक उनका सुराग नहीं लग सका है। घटना के बाद अपर पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव और सीओ सिटी डॉ. राघवेंद्र चतुर्वेदी स्टेशन पर पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने जांच पड़ताल की। थानाध्यक्ष जीआरपी शमीम अली ने बताया कि श्रमजीवी एक्सप्रेस से विधायक के गनर राकेश सफर कर रहे थे, हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घटना के बारे में और जानकारी लेकर इसमें शामिल लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है, जल्द ही उनका पता लगा लिया जायेगा। घटना क्यों हुई अब तक इस बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है।

व्यापारी व भतीजे को लहूलुहान कर चेन लूटी

जय हिन्द संवाद

गाजियाबाद। थाना सिहानी गेट के पास मालीवाड़ा में दीवाली की रात कूलर व्यवसायी व उनके भतीजे को बदमाशों ने लहूलुहान कर करीब 40 हजार रुपये और चेन व अंगूठी लूट ली। सिर फटने से व्यापारी आइसीयू में भर्ती हैं। आरोप है स्वजन की शिकायत पर पहले थाना सिहानी गेट पुलिस ने उन्हें टरका दिया और मंगलवार शाम व्यापारियों ने थाने पर प्रदर्शन किया तो पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

मालीवाड़ा में रहने वाले तुषार ने बताया कि वह दीवाली की देर रात साढ़े 11 बजे दोस्त के घर से लौट रहे थे। रास्ते में मोहल्ले का कल्लू व पांच छह लोग शराब पीते

हुए जुआं खेल रहे थे। उन्हें देखकर कल्लू ने रोक लिया और जेब से पैसे निकालने लगा। उन्होंने विरोध करते हुए चाचा अनिल गर्ग को फोन कर दिया। अनिल पहुंचे और समझाने की कोशिश की तो नशे में धुत आरोपितों ने दोनों से मारपीट की और शराब की बोतल अनिल के सिर पर दे मारी। तुषार भी सिर में डंडा लगने से बेहोश हो गया।

तुषार ने बताया कि उन्हें होश आया तो यशोदा अस्पताल में भर्ती थे। बदमाशों ने दोनों के पास से करीब 40 हजार रुपये, चेन व अंगूठी के साथ स्कूटी भी लूट ली थी। बाद में स्कूटी पुराना बस अड्डा चौकी के पास खड़ी मिली। किराना व्यापारी संदीप बंसल ने बताया कि दोनों घायलों को आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया था। तुषार से बात करने पर पूरी घटना के बारे में पता चला।

स्वजन ने सोमवार आधी रात को ही शिकायत दी थी, जिस पर पुलिस ने गंभीरता नहीं दिखाई। इसीलिए थाने प्रदर्शन कर पुलिस को 12 घंटे का अल्टीमेट दिया है। एसपी सिटी प्रथम निपुण अग्रवाल ने बताया कि जानलेवा हमला, लूट व बलवा की धाराओं में केस दर्ज कर तीन टीम बना दी हैं। जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर वारदात का पर्दाफाश करेंगे।

थाने में पति की थर्ड डिग्री से पिटाई देख आहत पत्नी की हुई मौत, पुलिस पर गंभीर आरोप

बागपत। थाने में पति की थर्ड डिग्री से आहत महिला की मौत होने का मामला सामने आया है। पीड़ित स्वजन ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। पुलिस के प्रति लोगों में आक्रोश है। इसी को देखते हुए कई थानों की पुलिस गांव में डेरा डाले हुए है।

ग्राम बिलौचपुरा निवासी इमरान उर्फ पप्पू का अपने स्वजन से तीन दिन पूर्व विवाद हो गया था। व्यक्ति ने विपक्षियों पर लूटपाट का आरोप लगाते हुए डायल-112 पर काल करके सूचना दी थी। पुलिस दोनों पक्ष के व्यक्तियों को सिंघावली अहीर थाने लेकर गई थी। थाने के एक कमरे में पुलिस ने उनको कमरे में बंद कर फट्टे से पिटाई की। पत्नी मुशायरा खाना लेकर थाने में गई तो उनकी पिटाई होती देख पत्नी की हालत बिगड़ गई थी। स्वजन ने पत्नी का निजी चिकित्सक से उपचार कराया था।

दलितों की हत्या पर बोली मायावती

आज भी दलित व आदिवासी समाज पर अत्याचार जारी हैं...

जय हिन्द संवाद

लखनऊ । मध्य प्रदेश के दमोह जिले में मामूली से विवाद में दबंगों के दलित परिवार के तीन लोगों की हत्या के मामले में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती बेहद गंभीर हैं। मायावती ने मंगलवार की दिन की इस घटना की कड़ी निंदा करने के साथ मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया है।

मध्य प्रदेश के दमोह की इस घटना के बाद उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने दो ट्वीट भी किया है। मायावती ने कहा कि मध्य प्रदेश में भी दलित व आदिवासी समाज पर अत्याचार लगातार जारी। आज ही दमोह जिले के देवरांन में दबंगों ने दलित परिवार पर अंधाधुंध फायरिंग की। इसके बाद फिर पत्थर से कुचलकर तीन लोगों की हत्या कर दी। इस मामले में बाकी घायलों ने भागकर जान बचाई। इस हृदयविदारक घटना की जितनी निंदा की जाए वह तो कम ही है।

मायावती ने कहा कि यह अंधकार युग जैसी ताजा घटना मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ इनकी गरीबों, दलितों, आदिवासियों व महिलाओं आदि की सुरक्षा के मामले में सरकारी विफलता की पोल खोलती है। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की मांग है कि शिवराज सिंह चौहान सरकार ऐसे आपराधिक तत्वों के विरुद्ध नरमी नहीं बल्कि सख्त कार्रवाई करे।बसपा के एक समर्थक ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान की भाजपा सरकार का घिनौना चेहरा देश की जनता के सामने आ गया है। ऐसी घटना को शासन प्रशासन को तुरंत संज्ञान में लेना चाहिए और आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं को भविष्य में अंजाम ना दिया जाए।

गौरतलब है कि मंगलवार को दिन में मध्य प्रदेश के दमोह जिले के देहात थाने में आने वाले देवरान ग्राम में मामूली विवाद को लेकर एक ही दलित परिवार के तीन लोगों की गोली मार कर हत्या कर दी गयी। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया और जांच शुरू कर दी है।

दमोह के देहात थाना क्षेत्र के ग्राम देवरान में मंगलवार को महिला संबंधी किसी बात को लेकर दोनों परिवार उजड़ गए। जिसमें जगदीश पटेल परिवार के छह लोगों ने घमंडी परिवार के सदस्यों की गोली मारकर हत्या कर दी। दो गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।मृतकों में घमंडी पुत्र बुद्ध अहिरवाल (60 वर्षीय), रामप्यारी पत्नी घमंडी अहिरवाल (58 वर्ष) और मानक लाल पुत्र घमंडी अहिरवाल (32 वर्षीय) की मौके पर ही मौत हो गई। महेश पुत्र घमंडी अहिरवाल (30 वर्ष) और बबलू पुत्र घमंडी अहिरवाल (28 वर्ष) गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अहीरवाल के परिवार पर गोलियां चलाने वाले देवरान के रहने वाले मनीष पटेल, जगदीश पटेल, सौरभ पटेल, शुभम पटेल, घनश्याम पटेल, कोदु पटेल के खिलाफ अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है। घटना के बाद से सभी फरार हैं।

आईएएस अधिकारी रेणुका कुमार का वीआरएस मंजूर, योगी आदित्यनाथ ने दी स्वीकृति

जय हिन्द संवाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1987 बैच की आइएएस अधिकारी रेणुका कुमार के भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के आवेदन को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार से यूपी लौटने के बजाय रेणुका कुमार ने अगस्त महीने में सरकार से वीआरएस मांगा था। रेणुका कुमार का रिटायरमेंट जून 23 में होना था।

उत्तर प्रदेश कैडर की आइएएस अधिकारी रेणुका कुमार केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में सचिव पद पर तैनात थीं। केंद्र सरकार ने बीती जुलाई में उनकी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति को समाप्त कर उन्हें उनके मूल काडर में वापस करने का आदेश जारी किया था। उत्तर प्रदेश वापस आने की बजाय रेणुका कुमार ने बीते अगस्त माह में आइएएस से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था। मुख्यमंत्री ने उनके वीआरएस के आवेदन को स्वीकृत कर दिया है।

रेणुका कुमार वर्ष 1987 बैच की आइएएस अफसर हैं। वह केंद्र में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में सचिव के पद पर तैनाती थीं। वह यूपी से 30 जून 2021 को केंद्र गईं थीं। 28 जुलाई, 2022 को अचानक उन्हें

रेणुका कुमार वर्ष 1987 बैच की आइएएस अफसर हैं। वह केंद्र में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में सचिव के पद पर तैनाती थी

उत्तर प्रदेश के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि इसके बाद ही उन्होंने वीआरएस के लिए आवेदन किया था। उनकी सेवानिवृत्ति जून 2023 में है। रेणुका कुमार के पति सुनील कुमार भी दिल्ली में तैनात हैं।

आइएएस अफसर रेणुका कुमार की गिनती योगी सरकार के पंसदीदा अफसरों में होती है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के बाद रेणुका कुमार अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय जैसे अहम विभाग में सचिव पद पर तैनात थी। जून, 2021 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले रेणुका योगी सरकार में कई अहम पदों पर तैनात थीं। उनके पास बेसिक शिक्षा और राजस्व जैसे अहम विभागों की जिम्मेदारी थी। योगी सरकार में रेणुका ने वन एवं पर्यावरण, महिला कल्याण और खनन जैसे अहम विभागों की भी जिम्मेदारी संभाली।

खेत पर पिता को खाना देने गए तीन बच्चों की तालाब में डूबकर मौत

अमृत सरोवर में नहा रहे थे मासूम

जय हिन्द संवाद

बरेली। भोजीपुरा क्षेत्र में तालाब (अमृत सरोवर) में नहाते समय डूबकर तीन बच्चों की मौत हो गई। तीनों बच्चे 10 साल से कम उम्र के थे। यह हादसा तब हुआ जब वे खेत से अपने-अपने पिता को खाना देकर लौट रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध खनन के चलते अमृत सरोवर काफी गहरा हो गया है। हादसे की सूचना मिलने के बाद एसडीएम व सीओ भी मौके पर पहुंचे।

भोजीपुरा इलाके के गांव मिलक अलीनगर निवासी सुभाष, आशीष व राजेश मंगलवार को अपने खेतों पर काम करने के लिए गए थे। दोपहर के समय आठ वर्षीय आशीष पुत्र सुभाष, सात वर्षीय सुमित पुत्र राजेश और सात वर्षीय लव सागर पुत्र राजेश खेतों पर काम कर रहे पिता को खाना

देने गए थे। खाना देने के बाद बच्चे घर लौट रहे थे तो रास्ते में अमृत सरोवर देखकर उसमें नहाने लगे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अमृत सरोवर में अवैध खनन के चलते उसकी गहराई बहुत ज्यादा हो गई है। बच्चे तालाब में चले गए लेकिन, वे तैरना नहीं जानते थे इसके चलते तीनों डूब गए। आसपास पशु चरा रहे गांव के अन्य बच्चों ने तीनों को डूबता देखकर गांव जाकर जानकारी दी। इसके बाद बड़ी संख?या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच?चों को बाहर निकालकर एसआरएमएस मेडिकल कालेज ले गए लेकिन, तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी।

तीन बच्चों की मौत से गांव में मातम छा गया। बच्चों के स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना मिलने के बाद एसडीएम नवाबगंज राजीव शुक्ला व सीओ नवाबगंज चमन सिंह छाबड़ा व प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा आर के सिंह ने मौके का निरीक्षण किया। हालांकि, अधिकारी पत्रकारों के सवालों से बचते नजर आए। हादसे में जान गंवाने वाला आशीष दो बहनों का अकेला भाई था और सुमित मां-बाप का इकलौता बेटा था। वहीं हादसे में जान गंवाने वाला तीसरा बच?चा लव सागर तीन भाई-बहन में सबसे बड़ा था। तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत ने मिलक अलीनगर गांव में कोहराम मचा दिया है। पुलिस ने बच्चों के शव पोस्टमार्टम को भेजे हैं।

तालाबों की बेरीकेडिंग न होने की वजह से गयी मासूमों की जान

प्रदेश सरकार अमृत सरोवर नाम से तालाबों का सुंदरीकरण करा रही है। तालाबों की बेरीकेडिंग न होने की वजह से अमृत सरोवर नहीं यह तालाब मौत का सरोवर बन गये। मिलक अलीनगर के ग्रामीणों का आरोप है कि मिलक अलीनगर व शाहपुर टांडा के तालाबों को ग्राम प्रधानों ने पास-पास खुदवाया है लेकिन, बेरिकेडिंग नहीं करवाई है।

अलीगढ़ में फौजी की गोली मारकर हत्या

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

जय हिन्द सांद

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में टप्पल थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर में सोमवार की रात प्रेम प्रसंग के चलते फौजी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत?या के बाद हत्यारे गांव से फरार हो गए। घटना को लेकर गांव में दहशत भरा माहौल है।

थाना पुलिस को मिली तहरीर के मुताबिक फौजी बीकन कुमार दवा लेने के लिए बलेनो गाड़ी से घर से निकला था। जब वे वापस लौट रहे थे तो गांव के ही बबलू, विजयपाल, सोनू, रवि आदि लोग हाथों में लाठी, डंडा, तमंचा लेकर आए और एक राय होकर गाड़ी को रोकते हुए लाठी डंडों से गाड़ी पर

हमला बोल दिया। जिसमें उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। बीकन कुमार को गाड़ी से बाहर खींच लिया और विजयपाल सहित अन्य लोग बीकन को पीटने लगे। फौजी को गोली मारकर हत्या कर दी गई। फौजी की देर रात की गई हत्या के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस दौड़ पड पड़ी आनन फानन में सीओ खैर समेत भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने मृतक फौजी के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक की शादी दस माह पूर्व दिसंबर में हुई थी। मृतक दो भाइयों में दूसरे नंबर का था। एसओ परमेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक फौजी के पिता जगत सिंह की तहरीर पर आठ नामजदों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। दो आरोपित वेद व रवि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।मंगलवार की सुबह गांव रसूलपुर में फौजी के शव का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया है। सैकड़ों की संख्या गांव के अलावा आस पास के गांवों की भीड़ जुट गई। राजकीय सम्मान के साथ आर्मी के जवानों ने गार्ड आफ आनर दिया। अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस जुटी है।

किशोरी से दुष्कर्म के बाद बदहवास छोड़ा, युवक को पकड़ने की बजाए समझौता कराने में जुटी रही पुलिस

जय हिन्द संवाद

कानपुर। कानपुर आउटर पुलिस की संवेदनहीनता का एक और मामला सामने आया है। शिवराजपुर में अनुसूचित जाति की किशोरी को खेत में खींचकर युवक ने दुष्कर्म किया और बदहवास हालत में छोड़कर फरार हो गया। पीड़ित स्वजन शिकायत लेकर थाने पहुंचे तो पुलिस ने रिपोर्ट लिखने और आरोपित को गिरफ्तार करने की बजाय समझौता का दबाव बना चार घंटे तक बिठाए रखा। देर रात मामला अफसरों के संज्ञान में आने के बाद मुकदमा दर्ज किया गया।

शिवराजपुर के गंगा तटवर्ती इलाके के एक गांव में मंगलवार की दोपहर 15 वर्षीय किशोरी खेत की ओर गई थी। आरोप है

कि वहां पहले से मौजूद अवनीश पाल ने किशोरी को दबोच लिया और जबरन खेतों में ले जाकर दुष्कर्म किया। जान से मारने की धमकी देकर वह किशोरी को बदहवास हालत में छोड़कर भाग गया। कुछ देर बाद संभलने पर किशोरी घर पहुंची और आपबीती बताई तो मां के पांव तले से जमीन खिसक गई। वह माथे पर हाथ रखकर बैठ गईं और फिर घरवालों को पूरी घटना बताई। इसके बाद पीड़ित परिवार देर शाम किशोरी को लेकर थाने पहुंचा और मुकदमा दर्ज कराने के लिए कहा।

युवक की मौत से पुलिस की टूटी नींद

घर से लेजाकर युवक पर जानलेवा हमला

जय हिन्द जनाब

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना क्षेत्र में घर से बुलाकार जानलेवा हमले में घायल युवक की 16 दिन बाद दिवाली की रात मौत हो गई। बीते 8 अक्टूबर को बदमाशों ने लाठी और सरिया से वार कर युवक के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें पहुंचाई थी। करीब 16 दिन तक दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में वह जिंदगी के लिए जूझता रहा, लेकिन सोमवार उसने रात दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद पुलिस की नींद खुली है और मामले को लेकर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

15 अक्टूबर को पुलिस को दी शिकायत

नूर शांति नगर के मामले में थाना नंदग्राम पुलिस को 15 अक्टूबर को पुलिस को शिकायत दे दी थी। जिसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। मगर जब सोमवार को युवक की मौत हो गई तो परिजनों के हंगामे के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की। पुलिस ने आनन-फानन में रिपोर्ट दर्ज की और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

नूर शांति नगर में रहने वाले चंद्रभान ने बताया कि उनके छोटे बेटे मोनू को आठ अक्टूबर को कालोनी का ही रहने वाला कुलदीप बाइक पर अपने साथ ले गया था। कुछ देर बाद शाम सात बजे बाइक सवार दो युवक मोनू को बेसुध हालत में लेकर आए और घर के बाहर पड़ी चारपाई पर लिटाकर चले गए? युवक की गंभीर हालत देख स्वजनों ने उसे तुरंत पास के क्लीनिक ले गए, फिर उसे एमएमजी अस्पताल में भर्ती कराया। मोनू को गंभीर हालत में दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

इलाज के दौरान मौत

चिकित्सकों ने बताया कि सिर में भारी चोट लगने से खून जम गया है। इसके अलावा उसके हाथ में भी फ्रैक्चर था। इलाज के दौरान कुछ देर के लिए मोनू को होश आया तो उसने बताया कि कुलदीप व उसके साथियों ने उस पर हमला किया है और उसका मोबाइल नंबर डेढ़ लाख रुपये लूट लिए हैं।

23 अक्टूबर की रात आया था होश

युवक के पिता ने बताया कि 11 अक्टूबर को मोनू के दिमाग की सर्जरी हुई, जिसके बाद से वह बेहोश था। 23 अक्टूबर की रात को उसे होश आया तो माता-पिता से बातचीत की। थोड़ा सा खाना भी खाया, लेकिन फिर अचानक बेहोश हो गया।

पुलिस को शिकायत दी, लेकिन कुछ नहीं हुआ

चंद्रभान के मुताबिक 24 अक्टूबर को तड़के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चंद्रभान ने बताया कि उन्होंने 15 अक्टूबर को थाना नंदग्राम में शिकायत दी थी। यहां से उन्हें मोरटा पुलिस चौकी पर भेज दिया, लेकिन चौकी कोई नहीं मिला। अस्पताल से फोन आने पर वह लौट गए। जानलेवा हमले की जानकारी मिलने के बाद भी पुलिस ने कोई तहकीकात नहीं की। न ही अस्पताल जाकर मोनू की हालत के बारे में पूछा।

पीड़ित परिजनों का पुलिस पर आरोप

आरोप है कि नंदग्राम पुलिस मिलीभगत कर कुलदीप व उसके साथियों को बचा रही है। मोनू की मौत के बाद स्वजन उसका शव घर ले आए। आसपास के लोगों ने रोष जताया और शव को मेरठ हाइवे पर रखकर जाम लगाने की बात कही, जिसके बाद पुलिस पहुंची। लोगों ने भारी विरोध जताया और शव को हाथ नहीं लगाने दिया। आसपास कई थानों की फोर्स बुलाई गई। कार्रवाई का आश्वासन दे लोगों को शांत कराया और शव का पंचनामा भरा।

सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में छठ घाट का निर्माण कार्य अंतिम चरण में

जय हिन्द संवाद

नोएडा। अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि सूर्योपासना के महान पर्व छठ की तैयारियां नोएडा शहर में जोरों से चल रही हैं।भगवान सूर्य को अर्घ्य देने हेतु सेक्टर-75 के गोल्फसिटी, प्लाट-8 और पंचशील प्रतिष्ठा सोसाइटी के बीच स्थित सेंट्रल पार्क में एक बड़ा छठ घाट निर्मित किया जा रहा है,जिसका निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। छठघाट 50 फीट लम्बा,20 फीट चौडा और 4 फीट गहरा होगा।घाट में जल, प्रकाश आदि की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। साथ-ही छठघाट के निकट सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। छठघाट के निकट छठव्रतियों के कपडा बदलने के लिए कृत्रिम कमरे का भी निर्माण किया गया है। समिति के पदाधिकारियों ने छठघाट के निर्माण के लिए एएमजी डेवलपर्स के निदेशक मनोज राय और महाप्रबंधक बसन्त उपाध्याय को धन्यवाद दिया है।

शर्मा ने बताया कि सूर्योपासना का महान छठ पर्व 28 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन नहाय-खाय के साथ शुरू हो रहा है। 29 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल पंचमी के दिन खरना की पूजा होगी। 30 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल षष्ठी के सायंकाल अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। 31 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल सप्तमी के प्रात:काल उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा।

सूर्यदेव पूजा समिति के अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि 30 अक्टूबर को सायंकाल सूर्यदेव पूजा समिति द्वारा सेक्टर-75 के सेंट्रल पार्क में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया जायेगा। प्रसिद्ध भोजपुरी गायिका क्षमा पांडेय, प्रीति प्रकाश, देवेश कुंदन, प्रीति मंडल सहित कई गायकों और गायिकाओं द्वारा भोजपुरी, हिंदी, मगही, मैथिली, अंगिका, पंजाबी आदि भाषाओं में गीत-संगीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा।

पीसीएस के एग्जाम में मिश्रा को मिला 48वां रैंक

जय हिन्द संवाद

नोएडा। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा के नेतृत्व में जिले के सभी पदाधिकारी ग्रेटर नोएडा में डेल्टा टू में पहुंचे और अभी हाल में पीसीएस का एग्जाम क्लियर करने वाले कुछ मिश्रा फिर मिले और उसका हार्दिक अभिनंदन और स्वागत किया।

कुछ मिश्रा का उत्तर प्रदेश में 48 वां रैंक था जिसके लिए वह बधाई के पात्र कुछ मिश्रा ने बताया कि उसने लोक सेवा आयोग अभी एग्जाम दिया है पूरी उम्मीद है। कि मेरा नंबर आईएस के लिए क्लियर हो जाए। सभी ने शॉल उड़ाकर समाज की तरफ से पगड़ी पहनाकर और भगवान परशुराम के चित्र के रूप में मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस मौके पर कुछ मिश्रा के पिता जो ग्रेटर नोएडा में कार्यरत हैं उपस्थित रहे।

अभिनंदन करने वालों में प्रांतीय महामंत्री पंडित परमानंद शर्मा जिला महाम मंत्री पंडित राम कुमार शर्मा नगर अध्यक्ष पंडित मांगेराम शर्मा पुरुषोत्तम शर्मा सुरेंद्र शर्मा संजीव शर्मा सुनील शर्मा गायत्री शर्मा श्वेता शर्मा और दोनों महिला कार्यकर्ता हूं के पतिदेव भी मौजूद रहे। जिससे कुछ मिश्रा के साथ-साथ बाकी को देखने और सुनने वाले अन्य विद्यार्थी बेसिक शिक्षा ग्रहण करें और कंपटीशन की तैयारी करें हमें गर्व है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी अभी लगातार नौजवान कंपटीशन पास कर रहे हैं।

54 वां आईजीएचएफ दिल्ली मेला-2022 शुरू

ग्रेटर नोएडा। विस्तृत हॉल में और 12 श्रेणियों में विस्तृत रूप से फैली उत्पाद श्रेणियों के साथ, इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट आयोजित आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-ऑटम 2022 अपने परंपरागत सरक्षकों के साथ ही पहली बार मेले में आए व्यवसायिक आगंतुकों को प्रेरित और उत्साहित करना जारी रख रहा है। यहां आने वाले आगंतुक निर्माताओं से मिलते हैं, एक मंच पर इकट्ठा होते हैं, भारत-विभिन्न भौगोलिक स्थानों के साथ देश- भर में फैले शिल्प क्षेत्रों और उत्पादन समूहों के एक क्रॉस सेक्शन से मिलते हैं। निर्माता उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और प्रचुर मात्रा में कच्चे माल के आधार से बने उत्पादों से प्रेरणा लेकर निर्माण करते हैं। यह मेला इनोवेशन और हैंडीक्राफ्ट फ्यूजन के साथ जीवंत बना हुआ है। सदाबहार क्लासिक्स से लेकर आधुनिकतम प्रभावों तक, संक्रमणकालीन तत्वों से लेकर प्रकृति और रोजमर्रा की जिंदगी से प्रेरित सरल लेकिन आश्चर्यजनक शिल्प जैसे तत्व मेले के आवश्यक पहलू है। आधुनिक, दिशात्मक और असामान्य मध्यम से हाई एंड गिफ्ट और कलेक्टिबल्स में व्यापक विकल्प के साथ, नवीनता, सामग्री, डिजाइन, मूल्यवर्धन, उपयोगिता और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण पर जोर दिया गया है। आईएचजीएफ दिल्ली मेले में उत्पाद की पेशकशों में सस्टेनेबिलिटी सबसे प्रमुख तत्व है। प्रदर्शकों और आपूर्तिकर्ताओं से पर्यावरण के अनुकूल होम,लाइफ स्टाइल, फैशन, वस्त्र और फर्नीचर उत्पादों में एक बड़ी विविधता है जो एक अधिक सस्टेनेबल और नैतिक भविष्य सुनिश्चित करने के लिए अपनी ओर से प्रयास कर रहे हैं।

1100 दीपक प्रज्वजलित कर मनाई दीपावली

जय हिन्द जनाब

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी ब्लॉक में शिव शक्ति मंदिर मे दिवाली के शुभ अवसर पर 1100 दीपक प्रज्वजलित किए गए और श्रद्धालुओं द्वारा गणेश लक्ष्मी की पूजा कि गयी।

पंडित घनश्याम चतुर्वेदी ने बताया कि दीपावली में कमल और गुलाब के पुष्प से पूजा कि जाती है जिससे धन धान्य ऐशवरय समृद्धि कि प्राप्ति होती है।

इस दौरान मंदिर समिति के मुखद्वार आर के पांडेय, एस एन मिश्रा, ऋतुराज, गोपाल सिंह, ममता कांडपाल, अभय और अन्य लोग मौजूद रहे ।

हास्य कवि बाबा कानपुरी को शाल भेंट कर किया सम्मानित

जय हिन्द जनाब

ग्रेटर नोएडा। देश के सुपरिचित हास्य कवि बाबा कानपुरी की अध्यक्षता एवं उनके सम्मान में राष्ट्रीय कवि संगम रायबरेली इकाई (अवध प्रान्त) द्वारा आयोजित भव्य समारोह में उन्हें शाल ओढ़ाते हुए संस्था के संरक्षक डा बैस एवं सम्मान पत्र प्रदान करते हुए। प्रान्तीय महामंत्री कवि नीरज पांडेय महामंत्री निर्मल श्रीवास्तव जिला संयोजक उत्तम सोनी सागर एवं हास्य कवि उत्कर्ष जी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बाबा कानपुरी ने राष्ट्रीय कवि संगम रायबरेली के सभी पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वहां की साहित्यिक

सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की। अपने गृह जनपद के सांस्कृतिक गरिमापूर्ण संस्कृति की भूरि-भूरि प्रसंशा करते हुए अपने आपको भाग्यशाली बताया। अपने काव्य पाठ में विविध विधाओं की कविताएं सुनाकर उन्होंने सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। केजरीवाल पर उनकी हास्य कविता का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। उन्होंने सुनाया----

पत्नी घर में डांटती, देती है दुत्कार।

राज्यपाल से भी इधर, मिलती है फटकार। मिलती है फटकार, बड़ी ही नाइंसाफी, मिलती इनको नहीं कहीं से भी है माफी। बाबा कवि बर्राय नाक में दो दो नथनी। एल.जी.खींचे इधर,उधर घर खींचे पत्नी।। कार्यक्रम के अंत में संस्था के महामंत्री निर्मल श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि बाबा कानपुरी एवं सभी कवि श्रोताओं के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

दीवाली पर इस बार पंजाब में प्रदूषण का स्तर हुआ कम : मीत

चंडीगढ़। दीवाली के त्योहार के अवसर पर पंजाब में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (ए.क्यू.आई.) में पिछले साल के मुकाबले 16.4 प्रतिशत और 2020 के मुकाबले 31.7 प्रतिशत की कमी देखने को मिली है। पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लगातार कोशिशों और मुख्यमंत्री भगवंत मान की अपील के स्वरूप इस साल दीवाली वाले दिन पिछले सालों के मुकाबले वायु की गुणवत्ता में काफ़ी सुधार हुआ है।

पर्यावरण मंत्री ने आगे बताया कि पिछले साल और 2020 में कोई भी शहर ए.क्यू.आई. की मध्यम श्रेणी में नहीं रहा, जबकि इस साल 2 शहर (खन्ना और मंडी गोबिन्दगढ़) ए.क्यू.आई. की मध्यम श्रेणी में रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कुल मिलाकर देखा जाए तो पंजाब के बड़े 6 शहरों में पिछले साल दीवाली के दिनों (2020 और 2021) के मुकाबले इस साल दीवाली (2022) के दौरान ए.क्यू.आई. में बड़ी कमी देखने को मिली है। उन्होंने आगे बताया कि दीवाली के अवसर पर पंजाब का औसत ए.क्यू.आई. 2021 में 268 (ख़राब) और 2020 में 328 (बहुत ख़राब) के मुकाबले इस साल 224 (ख़राब) था।

उन्होंने बताया कि इस साल अमृतसर में ए.क्यू.आई. श्रेणी 262 के साथ अधिकतम ए.क्यू.आई. दर्ज किया गया। हालाँकि पिछले साल अधिकम ए.क्यू.आई 327 (बहुत ख़राब) जालंधर में दर्ज किया गया था और 2020 में अधिकतम ए.क्यू.आई. 386 (बहुत ख़राब) अमृतसर में देखा गया था। इस साल न्यूनतम ए.क्यू.आई. मंडी गोबिन्दगढ़ में 188 (मध्यम) दर्ज किया गया, जोकि पिछले साल 220 (ख़राब) और 2020 में 262 (ख़राब) दर्ज किया गया था। पिछले साल 2 शहरों (अमृतसर और जालंधर) का ए.क्यू.आई. बहुत ख़राब श्रेणी में रहा, जबकि 2020 में चार शहरों अमृतसर, जालंधर, लुधियाना और पटियाला का ए.क्यू.आई. बहुत ख़राब श्रेणी में रहा। हालाँकि इस साल कोई भी शहर ए.क्यू.आई. की बहुत ख़राब श्रेणी में नहीं रहा।

ट्रांसजेंडर कौशल सड़कों पर गरीब महिलाओं संग मनाई दिवाली

जय हिन्द जनाब

ग्रेटर नोएडा। झिलमिलाती ऊंची-ऊंची इमारतों के शहर नोएडा में शनिवार की देर शाम किन्नर कौशल गरीब महिलाओं के बीच पहुंच गईं। उन्होंने अभावग्रस्त महिलाओं के साथ दीवाली मनाई। धनतेरस महिलाओं के दिन तोहफे पाकर महिलाओं के चेहरे खिले उठे। कहते हैं, जब दिल में जज्बा और जुनून हो और समाज सेवा का मन हो तो अपना त्यौहार क्या है? सबसे पहले गरीबों का हाल जाना जाता है? यही नोएडा की किन्नर कौशल ने किया है। नोएडा के सेक्टर-42 में वह अचानक सड़क किनारे बैठकर मांग रहीं महिलाओं के बीच पहुंच गईं। खूब दिल खोलकर तोहफे बांटे और गले लगकर खुशियां बांटीं।

सडक पर बैठी महिलाएं मदद मांग रही थीं। उन्हें क्या पता था कि एक महिला फरिश्ता बनकर उनके पास आएगी। धनतेरस के अवसर पर साड़ी बतौर उपहार देगी। तस्वीरों में दिख रहीं कौशल हैं, जो नोएडा की सड़कों पर गरीब महिलाओं के बीच उनका हाल जानने के लिए धनतेरस के त्यौहार पर पहुंची हैं। उनका कहना है कि धनतेरस पर सबको आस लगी रहती है, लेकिन जितना मुझसे होता है, मैं गरीबों के लिए करती हूं। कौशल ने नोएडा की सड़कों पर मांग रही महिलाओं को अचानक पहुंचकर तोहफे में साड़ियां दीं और उनका हाल जाना। आपने आज तक किन्नरों को मांगते देखा होगा लेकिन नोएडा में कौशल ऐसी हैं, जो लोगों के लिए मदद के लिए आधी रात खड़ी रहती हैं। कौशल रात में सड़क के किनारे गरीब महिलाओं का हाल जान रही हैं। गरीब महिलाओं ने कौशल का शुक्रिया अदा किया। कौशल का कहना है कि वह दिवाली पर भी गरीबों के बीच जाएंगी और गरीबों के साथ दिवाली मनाएंगी।

किसान आंदोलन की फिर से सुगबुगाहट

26 नवंबर को देशभर के राजभवनों तक पैदल मार्च

जय हिन्द जनाब

ग्रेटर नोएडा। किसान संगठनों में एक बार फिर से आंदोलन की सुगबुगाहट हो रही है। 40 से ज्यादा संगठनों को मिलाकर बने संयुक्त किसान मोर्चा ने 26 नवंबर को देशभर के सभी राज्यों में राजभवन तक मार्च करने का ऐलान किया है। 26 नवंबर वो तारीख है जब कृषि बिल के मुद्दे पर किसान दिल्ली के सारे बॉर्डर घेरकर धरने पर बैठ गए थे। वहीं सरदार वीएम सिंह ने एमएसपी के मुद्दे पर किसानों को गोलबंद करना शुरू कर दिया है।

एसकेएम सदस्य युद्धवीर सिंह ने बताया, मोर्चे ने 26 नवंबर 2020 के ऐतिहासिक आंदोलन की दूसरी वर्षगांठ पर सभी राज्यों की राजधानी में किसानों का राजभवन मार्च करने का निर्णय लिया है। विभिन्न राज्यों में राजभवन मार्च की तैयारियां जारी हैं और इसे लेकर किसान संगठनों की तैयारी बैठकें चल रही हैं। राजभवन मार्च की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 14 नवंबर को दिल्ली में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े सभी संगठनों की बैठक होगी।

किसान नेता सरदार वीएम सिंह ने कहा हमने 15 अक्टूबर से हर गांव एमएसपी हर घर एमएसपी अभियान शुरू किया है। इसके तहत हम देश के 6 लाख से ज्यादा गांवों तक पहुंचेंगे। सभी किसानों के घरों के बाहर एमएसपी से जुड़े नारे लिखवाए जायेंगे। किसानों को इसके लिए गोलबंद करेंगे। ये अभियान 31 दिसंबर 2022 को पूरा होगा।

जनवरी 2023 में प्रत्येक गांव से किसानों का एक समूह अपने-अपने डीएम को ज्ञापन देगा और एमएसपी पर अनिवार्य रूप से फसल खरीद कानून बनाने की मांग की जाएगी। सरकार अगर इस पर कोई सुनवाई नहीं करती है तो 23 मार्च 2023 को देशभर के सभी मांग पत्रों को ट्रैक्टर ट्रालियों में भरकर दिल्ली लाकर पीएम से मिलने का प्रयास किया जाएगा।

कानपुर आउटर में नाबालिग लड़की से रेप

कानपुर। कानपुर आउटर के शिवराजपुर में एक दलित नाबालिग से गांव के दबंग ने खेत में दबोचकर दुष्कर्म किया। इसके बाद मौके से भाग निकला। मामले की जानकारी किशोरी ने परिजनों को दी तो उन्होंने शिवराजपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने को तहरीर दी। आरोप है कि थानेदार ने रिपोर्ट लिखने के बजाय पीडित को ही थाने में बैठा लिया और पूछताछ शुरू कर दी।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुमित्रा अस्पताल मरीजों का दिनांक 1.1.2018 से 31.3.2019 तक का रिकॉर्ड नष्ट करने जा रहे हैं। यदि किसी को इस रिकार्ड से जुड़ी कोई भी जानकारी प्राप्त करना हो तो 15 दिनों के अन्दर अस्पताल कार्यालय से संपर्क करें। **रविवार अवकाश**

-सुमित्रा अस्पताल
सेक्टर-35, नोएडा
फोन न.-0120-2507625
ई-मेल: sumitrahospital.35@gmail.com

दैनिक जय हिन्द जनाब

बुधवार 26 अक्टूबर , 2022

राहत के बावजूद

इसे लेकर कई स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। ऐसे में अगर किसी भी वजह से प्रदूषण में बढ़ोतरी की स्थिति आती है तो यह हर व्यक्ति, समुदाय और देश के लिए घातक है। विडंबना है कि लगातार जताई जाने वाली चिंता के बावजूद आम लोगों को इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा नहीं हो पाता है और वे अपने ऊपर नियंत्रण नहीं रख पाते। हालांकि सीमित संख्या में ही सही, कुछ लोगों ने इस समस्या के चिंताजनक नतीजों को लेकर सोचना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि आमतौर पर दिवाली की रात जहां व्यापक प्रदूषण के चलते सबके लिए घातक बन जाती थी, वहीं इस साल इसमें थोड़ी राहत देखी गई। यों दिल्ली सरकार की ओर से सख्ती की घोषणा के बावजूद लोगों ने जम कर पटाखे जलाए और स्वाभाविक ही इसका असर वायु की गुणवत्ता पर नकारात्मक पड़ा, फिर भी अन्य सालों की अपेक्षा इस साल आतिशबाजी के मामलों में तीस फीसद की कमी दर्ज की गई। कहा जा सकता है कि हर साल दिवाली के मौके पर प्रदूषण की गंभीरता से उपजे हालात को याद करके कुछ लोगों ने इस बार पटाखों से दूरी बनाई, मगर कुल मिला कर वायु के प्रदूषित होने पर इसका जो असर पड़ा, उसके मद्देनजर इसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री के मुताबिक, मंगलवार यानी दिवाली के अगले दिन वायु गुणवत्ता सूचकांक 323 रहा, जबकि पिछले साल यह 462 था। जाहिर है, दिल्ली में ऐसे लोगों की संख्या इस बार कुछ बढ़ी है जो आतिशबाजी की वजह से गहराने वाले प्रदूषण को लेकर सचेत थे। मगर वायु गुणवत्ता सूचकांक अब भी खतरनाक स्तर पर चिंताजनक बना हुआ है। निश्चित तौर पर एक विश्वव्यापी समस्या के समाधान के लिए जो रास्ते बताए जा रहे हैं, उसमें सहभागिता करने के लिए समाज का एक छोटा-सा हिस्सा ही सही, आगे आ रहा है। लेकिन यह ध्यान रखने जरूरत है कि इस तरह के सकारात्मक बदलाव की प्रवृत्ति जब मुखर होने लगती है तब सरकारों को भी अपनी भूमिका निभाने के लिए खुद को सक्रिय करना चाहिए। यह छिपा नहीं है कि दिवाली में आतिशबाजी को लोग एक अनिवार्य चलन मान कर चलते हैं, लेकिन इसी क्रम में होता यह है कि पटाखों के बारूद का धुआं गांव-शहर में हर स्तर की बस्तियों में रहने वालों के लिए दमघोंटू हालात पैदा कर देता है। हर साल दिवाली के अगले दिन सांस की तकलीफ से जूझते लोगों का चिकित्सक के पास या अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचना एक आम रिवायत-सी बन गई है।लेकिन इस साल दिवाली के बाद दिल्ली के अस्पतालों में सांस की तकलीफ के मामले पिछले साल के मुकाबले कम आए। यों यह भी तथ्य है कि सांस की परेशानी से जुड़ी समस्या की स्थिति में कई बार लोग अस्पतालों का रुख तभी करते हैं, जब उनकी हालत ज्यादा खराब हो जाती है। पिछले सालों की तुलना में कुछ स्तर पर परेशानियों में कमी आई है, लेकिन वायु गुणवत्ता सूचकांक की बेहद खराब स्थिति और पंजाब में पराली जलाए जाने के मामलों के मद्देनजर देखें तो अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकारी महकमों से लेकर आम लोग खुद अपने स्तर पर त्योहारों को प्रदूषण से मुक्त आबोहवा और रोशनी का संदेश बनाने की ओर आगे बढ़ेंगे।

हथियारों से खेलती महाशक्तियां

आज पाकिस्तान में लश्कर-ए-झांगवी, पाकिस्तानी तालिबान, अफगान तालिबान और कुछ अन्य आतंकवादी गुट पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार के लिए चुनौती बन गए हैं। ये चुनी हुई सरकार को गिरा कर देश की सत्ता पर सेना के साथ अपना नियंत्रण चाहते हैं। अगर ऐसा हो जाता है और परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग जाते हैं, तो तय है कि पाकिस्तान को दुनिया के लिए खतरनाक देश बनने में देर नहीं लगेगी। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चिंता जताते हुए कहा कि परमाणु हथियार संपन्न पाकिस्तान दुनिया का सबसे खतरनाक देश है। भारत ऐसा अनेक बार कह चुका है। इस चेतावनी के बावजूद बाइडेन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस वाजिब चिंता को दूर करने के लिए अमेरिका क्या कदम उठाएगा। जब तक इस चिंता को दूर करने के लिए कोई पहल नहीं की जाएगी, ऐसे बयानों का कोई नतीजा निकलने वाला नहीं है।

वैसे अमेरिका का यह बयान कुटिल चतुराई लगता है, क्योंकि हाल ही में उसने पाकिस्तान को सोलह लड़ाकू विमान और उनके रखरखाव के लिए पैंतालीस करोड़ डालर की आर्थिक मदद की है। 2018 के बाद से यह पाकिस्तान को की गई सबसे बड़ी मदद है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान को दी जाने वाली मदद पर यह कह कर रोक लगा दी थी कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में कोई सहायता नहीं कर रहा है। दरअसल, बाइडेन ने यह मदद देकर भारत के संदर्भ में जले पर नमक छिड़कने का काम किया है।

बाइडेन ने यह बयान लास एंजिलिस में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए चीन, रूस और पाकिस्तान से जुड़ी समस्याओं को अमेरिका की विदेश नीति के समक्ष तीन चुनौतियों के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग को मालूम है कि वे क्या चाहते हैं, लेकिन उनके साथ कई तरह की समस्याएं भी हैं। मुझे लगता है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है, जिसके पास परमाणु हथियार हैं और वहां कोई सामंजस्य नहीं है।

बाइडेन ने चीन की तरफ से अमेरिका को मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा और यूक्रेन-रूस संकट से उपजे वैश्विक हालात को भी रेखांकित किया। दरअसल, हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने परमाणु युद्ध की परोक्ष धमकी दी है। इधर पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को लेकर भारत समेत कई पश्चिमी देश चिंता जता चुके हैं। उन्हें आशंका है कि पाकिस्तानी परमाणु हथियार कहीं आतंकियों और जिहादियों के हाथ लग गए, तो संकट खड़ा हो सकता है। परमाणु हथियारों पर नजर रखने वालों की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास इस समय 140 से 150 परमाणु हथियार हैं। अगर परमाणु अस्त्र निर्माण की उसकी यही गति जारी रही तो 2025 तक इनकी संख्या बढ़ कर 220 से 250 हो जाएगी। इस तरह पाकिस्तान दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाएगा। अमेरिकी गुप्तचर संस्था सीआइए के पूर्व वरिष्ठ खुफिया अधिकारी केविन हलबर्ट ने भी कहा कि पाकिस्तान दुनिया के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक देशों में से एक है।

पाकिस्तान की यह खुंखार और डरावनी सूरत इसलिए बन गई है, क्योंकि तीन तरह के जोखिम इस देश में बढ़ रहे हैं। आतंकवाद, ढह रही अर्थव्यवस्था और परमाणु हथियारों का जरूरत से ज्यादा भंडारण। आर्थिक संकट के ऐसे ही बदतर हालात से उत्तर कोरिया भी जूझ रहा है। ये दोनों देश भारत और अमेरिका पर परमाणु हमला करने की धमकी देते रहते हैं।

पाकिस्तान दुनिया के लिए खतरनाक देश हो या न हो, लेकिन भारत के लिए जरूर है। दशकों से वह भारत पर हमला करने के लिए आतंकियों का इस्तेमाल करता रहा है। मुंबई और संसद पर हमले के सरगना दाऊद और हाफिज सईद को पाक ने शरण दे रखी है। इसके अलावा वह कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ करा कर भारत की नाक में दम किए हुए है।हालांकि पाकिस्तान द्वारा आतंकियों को संरक्षण देने के उपाय अब उसके लिए भी संकट बन रहे हैं। वहां आतंकी संगठनों का संघर्ष शिया बनाम सुन्नी अतिवाद में तब्दील होने लगा है। इससे पाक में अंतर्कलह और अस्थिरता बढ़ी है। बलूचिस्तान और सिंध प्रांत में इन आतंकियों पर नियंत्रण के लिए सैन्य अभियान चलाने पड़े हैं। बावजूद इसके, पाकिस्तान की एक बड़ी आबादी सेना और खुफिया तंत्र तालिबान, अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी गुटों को खतरनाक नहीं मानते। इन आतंकियों को 'अच्छे सैनिक' माना जाता है, जो धर्म के लिए अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं।

आज पाकिस्तान में लश्कर-ए-झांगवी, पाकिस्तानी तालिबान, अफगान तालिबान और कुछ अन्य आतंकवादी गुट पाकिस्तान की निर्वाचित सरकार के लिए चुनौती बन गए हैं। ये चुनी हुई सरकार को गिरा कर देश की सत्ता पर सेना के साथ अपना नियंत्रण चाहते हैं। अगर ऐसा हो जाता है और परमाणु हथियार आतंकियों के हाथ लग जाते हैं, तो तय है कि पाकिस्तान को दुनिया के लिए खतरनाक देश बनने में देर नहीं लगेगी। इस नाजुक परिस्थिति में सबसे ज्यादा जोखिम भारत को उठाना होगा। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए थे। इन बमों से हुए विस्फोट और उसके रेडियोधर्मी विकिरण के कारण लाखों लोग मरे और हजारों लोग अनेक वर्षों तक लाइलाज बीमारियों की गिरफ्त में रहे। विकिरण प्रभावित क्षेत्रों में दशकों तक अपंग बच्चे पैदा होते रहे। तब आणविक हथियार निर्माण की प्रारंभिक अवस्था में थे, पर तब से लेकर अब तक परमाणु हथियार निर्माण की दिशा में बहुत प्रगति हो चुकी है। लिहाजा, अब इन हथियारों का इस्तेमाल होता है तो बर्बादी की विभीषिका हिरोशिमा और नागासाकी से कहीं ज्यादा भयावह होगी। इसलिए कहा जा रहा है कि आज दुनिया के पास इतनी बड़ी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि समूची धरती को एक बार नहीं, अनेक बार नष्ट किया जा सकता है।

जापान के आणविक विध्वंस से विचलित होकर ही 9 जुलाई, 1955 को अलबर्ट आइंस्टीन और प्रसिद्ध ब्रिटिश दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी करके आणविक युद्ध से फैलने वाली तबाही की ओर इशारा करते हुए शांति के उपाय अपनाने का संदेश देते हुए कहा था, 'यह तय है कि तीसरे विश्व-युद्ध में परमाणु हथियारों का प्रयोग निश्चित किया जाएगा। इस कारण मनुष्य जाति के लिए अस्तित्व का संकट पैदा हो जाएगा, मगर चौथा विश्वयुद्ध लाठी और पत्थरों से लड़ा जाएगा।' इस विज्ञप्ति में यह भी कहा गया था कि जनसंहार की आशंका वाले सभी हथियारों को नष्ट कर देना चाहिए।

तय है, भविष्य में दो देशों के बीच हुए युद्ध की परिणति अगर विश्व-युद्ध में बदलती है और परमाणु हमले शुरू हो जाते हैं तो हालात कल्पना से कहीं ज्यादा डरावने होंगे। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस भयावहता का अनुभव कर लिया था, इसीलिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में आणविक अस्त्रों के समूल नाश का प्रस्ताव रखा था। मगर परमाणु महाशक्तियों ने इस प्रस्ताव में कोई रुचि नहीं दिखाई, क्योंकि परमाणु प्रभुत्व में ही उनकी शक्ति अंतर्निहित है। अब तो परमाणु शक्ति संपन्न देश, कई देशों से असैन्य परमाणु समझौते करके यूरेनियम का व्यापार कर रहे हैं। परमाणु ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा की ओट में ही कई देश परमाणु-शक्ति से संपन्न देश बने हैं और हथियारों का जखीरा इकट्ठा करते जा रहे हैं।

दुनिया में फिलहाल नौ परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं- अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन, ब्रिटेन, भारत, पाकिस्तान, इजराइल और उत्तर कोरिया। इनमें अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और ब्रिटेन के पास परमाणु बमों का बड़ा भंडार है।

धर्म-कर्म

ब्राह्मण पूजा

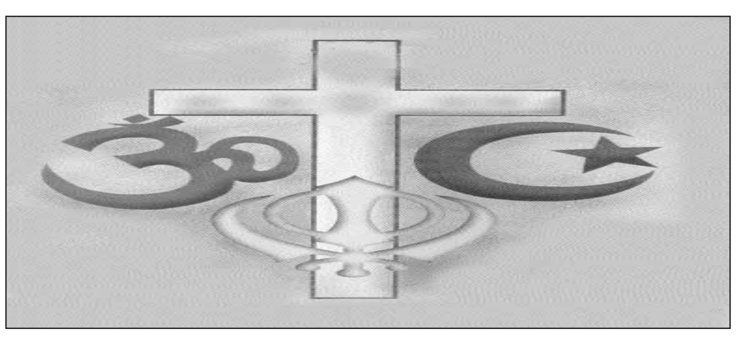

प्राचीनकाल की बात है। एक राज्य मे एक ब्राह्मण रहा करता था। वह देवी भगवती का परम भक्त था।

उसकी एक अति सुशील कन्या सुमति थी। जब भी ब्राह्मण पूजा करता तब वहाँ उसकी कन्या उपस्थित रहती थी।

एक दिन उसकी कन्या अपनी सहेलियों के साथ खेलने मे व्यस्त हो गयी और पूजा मे उपस्थित नहीं हुई। तब उसके पिता ने गुस्से मे उससे कहा। आज तुमने देवी पूजन मे उपस्थित नहीं होकर अवहेलना की है।

मैं अब तुम्हारा विवाह एक दरिद्र व्यक्ति या कुष्ठ व्यक्ति से करूंगा ।

सुमति बोली मैं आपकी पुत्री हूँ मुझे आप जहाँ भी कहेंगे मैं वहीँ शादी कर लुंगी। ब्राह्मण ने उसकी शादी एक कुष्ठ आदमी से कर दी। और उसे विदा कर दिया। दोनों ने वह रात्रि बहुत कष्ट से व्यतीत की। दूसरे दिन सुबह देवी ने उनको द र्शन दिए। और उसको कहा पुत्री 'तुम्हें क्या चाहिए। सुमति बोली देवी आप मुझ पर इतनी प्रसन्न क्यों है।मैंने तो आपकी पूजा भी पूरी नहीं की।तब देवी बोली 'तुम पूर्व जन्म मे एक भील की पत्नी थी। तुम बहुत संस्कारी थी। एक दिन भील ने चोरी कर ली।जिसके दण्डस्वरूप भील और तुमको दोनों को राजा ने जेल मे डलवा दिया। तुमने ९ दिनों तक कुछ नहीं खाया। उस समय नवरात्रि चल रही थी। जिसके फलस्वरूप उस समय मेरा व्रत हो गया। जिसका फल आज तुम्हे मिल रहा है। बता बेटी तुझे क्या माँगना है। जो भी चाहिए सब मिलेगा। सुमति बोली माता मुझे कुछ नहीं चहिये। बस मेरे पति को कुष्ठ रोग से मुक्त कर दो। देवी ने तथास्तु कहकर उसके पति को कुष्ठ रोग से मुक्त कर दिया। और कहा 'पुत्री 'तुझे एक तेजस्वी ,धनवान पुत्र की प्राप्ति होगी। यह कहकर देवी अंतर्ध्यान हो गयी। जैसे सुमति को देवी माता ने दिया वैसे ही सभी को माता की कृपा प्राप्त हो।

एक जगह पाकड़ के पेड़ के नीचे चील और सियारिन रहती थी। दोनों पक्की सहेली थी। एक बार उन्होंने जितिया व्रत करने का सोचा और फिर व्रत किया उसी दिन नगर का एक व्यापारी मर गया।

पर सियारिन पर नहीं रहा जा रहा था। उसको बहुत भूख लगी हुई थी। वह व्यापारी जिसका दाहसंस्कार वही मरुस्थल पर हुआ था। जहाँ चील और सियारिन रहती थी।

सियारिन ने उसको खा लिया। जिससे उसका व्रत टूट गया। पर चील ने वह व्रत पूरा किया। दूसरे जन्म मे दोंनो ने ब्राह्मण भास्कर के यहाँ जन्म लिया। दोनों बहन बनी। चील बड़ी बहन और सियारिन छोटी बहन के रूप मे जन्मी। चील का नाम शीलवती रखा गया और सियारिन का नाम कपुरावती रखा गया।

परिवार संस्था के समक्ष चुनौतियां

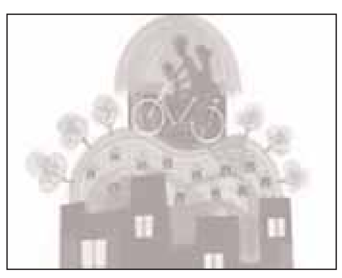

इस दौर में संबंधों का अंत, भावनाओं का अंत तथा परिवार के अंत की चर्चा भी कुछ समाज-वैज्ञानिक करने लगे हैं। यह एक विरोधाभास ही तो है कि वसुधैव कुटुंबकम् में आस्था रखने वाला समाज, जो सारी दुनिया को अपना परिवार मानने में विश्वास रखता हो, अब वह स्वार्थ और व्यक्तिवादिता के मूल्य में विश्वास करने लगा है। एक समय था, जब परिवार के सदस्य एक-दूसरे के लिए त्याग करने को तत्पर रहते थे और आज संपत्ति, जमीन या पैसों के लिए एक-दूसरे की हत्या करने से भी नहीं चूकते।

नवजागरण काल या ज्ञानोदय के बाद से राज्य, समाज और व्यक्ति में सदैव समाज को ही सर्वोपरि माना गया। पर जैसे-जैसे पूंजीवाद का विस्तार होता गया, बाजार इन सबसे ऊपर हो गया। आज व्यक्ति की जरूरतों से बाजार में मांग या उत्पादन का निर्धारण नहीं होता, बल्कि बाजार तय करता है कि किस वस्तु की मांग उत्पन्न करनी है या किस वस्तु या सेवा का उत्पादन करना है। इसके लिए बाजार मीडिया को एक साधन या उपकरण के रूप में प्रयोग करता है। बाजार का केवल एक ही उद्देश्य होता है- अधिक से अधिक लाभ कमाना। लाभ कमाने के लिए केवल वस्तुओं का क्रय-विक्रय नहीं होता, अब तो भावनाओं, रिश्तों, संबंधों का भी क्रय-विक्रय होने लगा है। हर चीज बाजार में तैयार माल के रूप में उपस्थित है, सिर्फ जेब में पैसे होने चाहिए। इस बाजार ने सच कर दिखाया कि बाप बड़ा न भैया सबसे बड़ा रुपैया। जब तक समाज सर्वोपरि था तब तक सामूहिकता और त्याग की भावना, संयुक्त परिवार, परार्थवादिता, रिश्तों की कद्र, भावनाएं व्यक्ति के लिए महत्त्व रखती थीं, लेकिन जबसे बाजार सर्वोपरि हो गया है, यह सब बेमानी हो गए हैं। 'मैं' की भावना ने 'हम' की भावना को विस्थापित कर दिया है। शायद यही कारण है कि परिवार और विवाह जैसी संस्थाएं आज चुनौती का सामना कर रही हैं। पिछले कुछ समय से संपत्ति विवाद को लेकर परिवारों में निकट संबंधियों की हत्याओं के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।

गाजियाबाद के सैंथली गांव में संपत्ति हथियाने के लिए एक व्यक्ति ने अपने बड़े भाई की हत्या कर उसकी पत्नी से शादी कर ली। फिर अपनी दो भतीजियों और दो भतीजों को भी मौत की नींद सुला दिया। अयोध्या में एक भांजे ने संपत्ति विवाद के चलते अपने मामा-मामी सहित उनके तीनों बच्चों की गला रेत कर हत्या कर दी। हैदराबाद के वारंगल कस्बे में एक व्यक्ति ने संपत्ति विवाद को लेकर अपने भाई और दो अन्य रिश्तेदारों की बेरहमी से हत्या कर दी। बिहार के बेगूसराय में भूमि विवाद में वृद्ध किसान की गला रेत कर हत्या कर दी गई।

लुधियाना में भी संपत्ति के विवाद के कारण छोटे भाई को गोली मार कर दी। बरेली के मीरगंज क्षेत्र में एक एडवोकेट ने संपत्ति विवाद के चलते अपने माता-पिता की गोली मार कर हत्या कर दी। ये घटनाएं तो केवल नमूना भर हैं। इन घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो जाता है कि आज भौतिकतावादी जीवन और पैसों की लालसा व्यक्ति में इतनी हावी है कि अपनों का प्यार और त्याग उसे नहीं दिखाई देता, दिखाई देता है तो केवल पैसा, सब कुछ आसानी से पाने की लालसा। वह सिर्फ आज में जीता है, भविष्य में उसके साथ क्या होगा, नहीं सोचता। क्योंकि उसके लिए दिखावा, स्टेटस और ऐशो-आराम बहुत जरूरी हो गया है फिर इसकी कीमत भले ही उसका परिवार ही क्यों न हो। कोई भी ऐसा रिश्ता नहीं, जो दागदार नहीं हुआ हो।संस्कार, मूल्य, प्रथाएं, त्योहार सब कुछ केवल दिखावा और औपचारिकता रह गए हैं। परिवार और विवाह संस्थाएं, जो सुरक्षा की गारंटी देते थे आज उनकी यह भूमिका हाशिए पर है। माना कोविड महामारी ने लोगों को बड़ी संख्या में बेरोजगार कर दिया है, उनमे असुरक्षा की भावना और भय उत्पन्न हो गया है और इसके परिणामस्वरूप भी संपत्ति विवाद की घटनाएं परिवारों में सामान्य हो गई हैं। लेकिन भारतीय संस्कृति में प्रारंभ से ही परिवार हर तरह की असुरक्षा से अपने सदस्यों को सुरक्षा देता आया है, अपनों के लिए संघर्ष करना, हर समस्या में उनका साथ देता आया है।

फिर अचानक परिवार में वह विश्वास कहां गया? यह सोचने का विषय है। क्योंकि स्वस्थ परिवारों पर ही स्वस्थ और खुशहाल समाज की नींव रखी जा सकती है। चूंकि ऐसा नहीं हो रहा है, इसलिए खुशहाली सूचकांक में भारत का स्थान हर साल नीचे गिरता जा रहा है। किसी से छिपा नहीं है कि समृद्ध, खुशहाल और शांतिप्रिय देश में अब तनाव, निराशा, क्रोध, एकाकीपन, हिंसा जैसे पक्ष हावी होने लगे हैं। एनसीआरबी के अनुसार वर्ष 2020 में राजस्थान में एक सौ सोलह लोगों की हत्या का कारण संपत्ति या जमीन संबंधी विवाद था, वहीं चार लाख से अधिक मामले राजस्व अदालतों में लंबित हैं। सोचिए, ये तो केवल एक राज्य के आंकड़े हैं, समग्र देश के आंकड़े कितने भयावह होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार राजस्व रिकार्ड का उचित संधारण नहीं होना और सीमा नापने की पुरानी तकनीक के होने से इस तरह की समस्याओं और विवादों

बात ज्ञान की

कुछ बच्चे एक कब्र के पास कुरान की तिलावत कर रहे थे। बच्चों से पूछा बेटा यह किस की कब्र है बच्चों ने कहा जी हमारे दादा की कब्र है। पूछा यहां क्या कर रहे हो बैठ कर।बच्चों ने जवाब दिया हम अपने दादा की मगफिरत के लिए कुरान की तिलावत कर रहे हैं। सुनकर बहुत खुशी हुई। अपने बच्चों को डॉक्टर बनाओ,इंजीनियर बनाओ, लेकिन कुरान की तालीम जरूर दो क्योंकि कल को यही अमल आपके मग़फ़िरत का जरिया बनेगा..

मजहब-ए-इस्लाम

फ़रमाने खुदा...

जब कुरान पढ़ा जाए तो उसे कान लगाकर सुनो और ख़ामोश रहो कि तुम पर रहम हो, (कनजुलइमान तरजुमा कुरान पारा- 9, रुकु- 14, सफ़ा- 284)।

रसुलल्लाहो अलैहे व सल्लम ने फ़रमाया जो कुरान पाक पढ़ेगा और उसके मुताबिक़ अमल करेगा, क़यामत के दिन अल्लाह तआला उसके माँ-बाप को एक ताज पहनाएगा, जिसकी रोशनी सूरज की रोशनी से बेहतर होगी (जब माँ-बाप को इतनी इज्ज़त मिलेगी तो पढ़ने वाले को कितनी इज्ज़त अल्लाह तआला अता फ़रमाएगा)। अल्लाह तआला उस शख्स को जहन्नम का अज़ाब न देगा, जिसने कुरान हिफ्ज़ किया और कुरान के हाफ़िज अल्लाह तआला के दोस्त हैं। कुरान हिफ्ज़ से (बग़ैर देखे) पढ़ना एक हज़ार दर्जा (सवाब) रखता है।

कुरान बग़ैर हिफ्ज़ से (यानी देखकर) पढ़ना दो हजार दर्जा (सवाब) रखता है और लोगों में सबसे बड़ा इबादत गुज़ार वो है, जो सबसे ज्यादा कुरान की तिलावत करता है, बेशक ज़िस शख्स के सीने में कुरान का कोई हिस्सा नहीं, यानी कोई सूरत या आयत याद नहीं, वो वीरान घर की तरह है।

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहो अलैहे व सल्लम ने फ़रमाया कुरान पढ़ो इसलिए कि वो क़यामत के दिन अपने पढ़ने वाले की सिफ़ारिश बनकर आएगा और उसकी शिफ़ादत कुबूल होगी और इमामे बुख़ारी ने रिवायत की है प्यारे नबी सल्ललाहो अलैह व सल्लम ने फ़रमाया कि बेशक तुम में सबसे ज्यादा फ़जीलत वाला वो है, जिसने कुरान सीखा या सिखाया (बुख़ारी शरीफ़ जिल्द 2, सफ़ा 752)।

मसअला- कुरान पाक ज़रूरत के मुताबिक 23 साल में थोड़ा-थोड़ा नाजिल हुआ और यक बारगी माह रमज़ान के शबे क़दर में नाज़िल हुआ।

मसअला- तिलावत शुरू करते वक्त आऊज़ो बिल्लाह पढ़ना मुस्तहब है और बिस्मिल्लाह पढ़ना सुन्नत। तिलावत के दरमियान कोई दुनियावी काम या बात करें तो आऊज़ो और बिस्मिल्लह फिर से पढ़ लें।

मसअला- जब ख़त्म हो तो तीन बार कुलहव्ललाहो अहद यानी सूरे इख्लास पढ़ना बेहतर है।

मसअला- कुरान देखकर पढ़ना ज्यादा सवाब रखता है, बग़ैर देखकर पढ़ने से, क्योंकि कुरान का देखना उसका छूना, उसको पास रखना भी सवाब है। मसअला- मजमे में सब बुलंद आवाज़ में पढ़ें ये हराम है। अकसर तीजों या कुरान ख्वानी की मजलिसों में बुलंद आवाज़ से सबके सब पढ़ते हैं, यह हराम है। अगर चंद शख्स पढ़ने वाले हों तो सब आहिस्ते पढ़ें। अगर मस्जिद में दूसरे शख्स नमाज़ में या दूसरे दीनी बातों में मसरूफ हैं या दुरुद शरीफ़ पढ़ने में मशगूल हैं तो कलामे पाक आहिस्ता पढ़ें। यानी खुद पढ़ें और खुद ही सुनें, वरना पढ़ने वाला ही गुनाहगार होगा। जब बुलंद आवाज़ से कुराने पाक पढ़ा जाए तो तमाम हाज़रीन पर सुनना फ़र्ज़ है, जबकि वो मजमा सुनने के लिए ही हो, वरना एक का सुनना काफी है अगरचे और लोग काम में हों।

बच्चों की कहानी

प्रभु भक्त

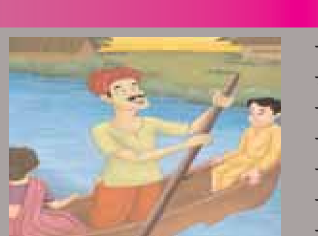

एक गांव में एक प्रभु भक्त नाविक रहता था। वह रोज सवेरे उठ कर, नहा धोकर मंदिर जाता और पूजा करने के बाद नाव लेकर यात्रियों को नदी के इस पार से उस पार और उस पार से इस पार पहुँचाता था। खाली वक्त में वो बस ईश्वर का नाम जपता रहता था। उसकी इतनी ईश्वर भक्ति देखकर गाँव के लोग हैरान रह जाते थे। कुछ लोग तो उसका मजाक भी उड़ाते थे यह कहकर कि ये पोंगा पंडित या तो सारा दिन नदी में नाव चलाता रहता है या फिर उंगलियों पर भगवान की माला चलाता रहता है।

यह सब सुनकर भी नाविक चुप रह जाता था। वह हर रोज नाव खोलने से पहले नियम से भगवान की प्रार्थना करता था।

एक दिन उसके नाव में कई युवा लोग सवार हुए, सबको उस पार पहुंचने की जल्दी थी। नाविक प्रार्थना करने लगा तो सारे यात्री उस पर हंसने लगे। एक ने कहा, लो, यह पोंगापंडित फिर शुरू हो गया पाठ पूजा में, अरे देखो, आसमान कितना साफ है, मौसम एकदम शांत है, फिर भला भगवान से नाव को सही सलामत उस पार पहुंचाने की प्रार्थना में समय बर्बाद क्यों कर रहे हो?

नाविक ने किसी को कोई जवाब नहीं दिया। वह चुपचाप प्रार्थना करने के बाद नाव चलाने लगा। बीच नदी में पहुंचते-पहुंचते अचानक जाने कहां से एक भयंकर तूफान उठने लगा, लहरें तेज हो गई। नाव डगमगाने लगा सभी यात्री डरकर कांपने लगे। सब ने भगवान को याद करते हुए अपनी जान बचाने के लिए प्रार्थना करना शुरू कर दिया, लेकिन नाविक उनके प्रार्थना में शामिल नहीं हुए, वो नाव संभालने में लगा रहा। लोग हैरान थे कि जब नाव तूफान में घिरकर पलटने ही वाला है तो ऐसे में नाविक पूजा का सहारा क्यों नहीं ले रहा? सब लोगों ने गुस्से में कहा, अरे ओ नाविक, वैसे तो तुम रात दिन पूजा पाठ में लगे रहते हो, अब जब प्रार्थना की सबसे ज्यादा जरूरत है तब तुम प्रार्थना छोड़कर चुप बैठे हो?

तब नाविक ने शांत स्वर में जवाब देते हुए कहा, पूजा-पाठ और प्रार्थना, शांत वातावरण में शांति से की जाती है। जब कोई मुसीबत आए तब हमें उस मुसीबत को दूर करने के बारे में सोचना चाहिए। इस वक्त मैं सिर्फ और सिर्फ नाव संभालने में लगा हुआ हूं। मुसीबत से जूझने के लिए कर्म करना चाहिए और ईश्वर को उस कर्म की शक्ति देने के लिए धन्यवाद स्वरुप प्रार्थना करना चाहिए और इस वक्त मैं कर्म करने में लगा हूँ। थोड़ी देर में नाविक ने नाव को संभाल लिया और मुसाफिरों को नदी के पार सकुशल पहुंचा दिया।

सोशल मीडिया पर आयुष की बर्थडे पार्टी के फोटोज- वीडियोज वायरल

बॉलीवुड अभिनेता आयुष शर्मा का जन्मदिन 26 अक्टूबर को होता है। आयुष आज अपना 32वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं और ऐसे में बीती रात उन्होंने बर्थडे पार्टी दी, जिस में सेलेब्स का तांता लग गया। आयुष की बर्थडे पार्टी में शहनाज गिल से अरबाज खान और कंगना रनौत से लेकर पलक तिवारी तक नजर आए। वहीं सलमान खान भी अपने बहनोई आयुष की पार्टी में पहुंचे और पैपराजी को पोज दिए। आयुष की बर्थडे पार्टी में कई सेलेब्स पहुंचे। सोशल मीडिया पर इन सेलेब्स के फोटोज और वीडियोज वायरल हो रहे हैं। आयुष की पार्टी में शहनाज गिल, पलक तिवारी, अरबाज खान, सलमान खान, वरुण शर्मा, मिजान जाफरी, सोनाक्षी सिन्हा, जहीर इकबाल, प्रनुतन, रमेश तौरानी, मनीष मल्होत्रा, मुकेश छाबड़ा, चंकी पांडे, जॉर्डी और बेटे के साथ सलमान के बॉडीगार्ड शेरा आदि नजर आए। वहीं पार्टी में कंगना रनौत ने भी रेड ड्रेस में शिरकत की। याद दिला दें कि इस वक्त पर कंगना रनौत, सलमान खान पर खूब तंज कसती थीं। कंगना कभी नाम लेकर तो कभी बिना नाम लिए सलमान पर वार करती रहती थीं। हालांकि अब वो ऐसा नहीं करती हैं। याद दिला दें कि सलमान ने कंगना की फिल्म धाकड़ को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट भी किया था और फिल्म प्रमोट की थी। हालांकि इससे कुछ भी फर्क नहीं पड़ा था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हुई थी। याद दिला दें कि दशहरा के खास मौके पर आयुष शर्मा ने अपनी अपकमिंग फिल्म की एक झलक लॉन्च की थी। ये अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट #AS03 बॉलीवुड में उनकी तीसरी फिल्म है। इसके टीजर में जंगल की भयंकर, अधेंरी और डरावनी दुनिया की झलक पेश की गई है। एक तरह से आयुष शर्मा की ये फिल्म रामायण के निष्कर्ष के साथ आती है, जो बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। साउथ इंडियन मार्केट में मौजूद ट्रेंड को फॉलो करते हुए मेकर्स द्वारा आयुष शर्मा की तीसरी फिल्म,स03 की घोषणा की गई है, जो बॉलीवुड में ऐसी अनाउंसमेंट करने वाले पहले एक्टर बन गए हैं। बता दें कि इससे पहले आयुष लवयात्रि और अंतिम में नजर आ चुके हैं।

अमिताभ बच्चन की दिवाली पार्टी

अमिताभ बच्चन द्वारा ऑर्गनाइज की गई दिवाली पार्टी में कई दिग्गज सितारे पार्टी का हिस्सा बने। इस मौके पर किरण खेर और करण जौहर ने अपने इंडियाज गॉट टैलेंट शो की यादों को ताजा कर दिया। एक बार फिर ये जोड़ी इस पार्टी में 'टूडल्स फन' करती दिखी। करण ने किरण संग अपनी इस फनी चिट चैट का एक वीडियो भी पोस्ट किया है। अमिताभ बच्चन ने अपने घर दिवाली बैश का आयोजन किया। इस मौके पर इंडस्ट्री के कई सितारों ने शिरकत की। फिल्म मेकर करण जौहर ने इस पार्टी का एक मजेदार वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो में करण को एक्ट्रेस किरण खेर को फिल्माते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में करण किरण के लाल रंग के सूट पर तंज कसते हुए कहते हैं आंटी आप करवा चौथ के लिए लेट हो गए हैं। करण की इसी बात पर किरण कहती हैं, 'तू पहले अपने आप को रिकॉर्ड कर, तू ये जो अनारकली बनकर आया हुआ है, थोड़ी देर में अंदर मुजरा होने वाला है। और तेरे में जो इतनी नजाकत है ना उतनी यहां किसी भी औरत में नहीं होगी। किरण और करण की नोक-झोंक यहीं नहीं खत्म हुई। करण ने अनारकली बनकर आने के जवाब में कहा, 'मुझे लगता है मेरे आउटफिट में बहुत सारी एंब्रॉयडरी और रंग है, ये बहुत सुंदर है। लेकिन आपका तो आम सा है, पहले देखा हुआ।' करण की इस बात पर किरण कहती हैं, ये मेरे लिए स्पेशली बुना और बनाया गया है।' इस पर करण कहते हैं, 'वो तो पर्सनेलिटी होती है जिसे बुना जाना चाहिए आपकी कैसी पर्सनेलिटी है? किरण कहती हैं, 'तुमसे बेहतर पर्सनेलिटी है, हर कोई ये जानता है और तुम भी ये जानते हो।' बिग बी के घर हुए दिवाली बैश बॉलीवुड हस्तियों से गुलजार नजर आया। इस पार्टी में शाहरुख खान, गौरी खान, अनुपम खैर और कई सितारे पहुंचे। इसके अलावा इस पार्टी में क्लिक गई कई तस्वीरें किरण खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के साथ भी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं।

राजीव सेन से तलाक लेंगी चारु असोपा

चारु असोपा और राजीव सेन साल 2019 में शादी के बंधन में बंधे हैं। शादी के कुछ समय बाद ही उनके रिश्ते में दरार की खबरें आने लगीं। बाद में कभी वो फिर से साथ आए तो कभी उनके बीच दूरियां बढ़ीं। चारु और राजीव की एक बेटी है। कपल ने ये माना था कि वो बेटी के लिए फिर से साथ आए हैं और अपने रिश्ते को एक और मौका देना चाहते हैं लेकिन अब चारु ने स्पष्ट कर दिया है कि वो तलाक लेने वाले हैं। चारु ने बताया कि शादी के बाद उनके बीच लगातार लड़ाइयां होती रही हैं। यही नहीं राजीव ने उन्हें ब्लॉक कर दिया था जिससे उनके बीच किसी भी तरह का सम्पर्क नहीं हो सके। लॉकडाउन के बाद वह चारु को तीन महीने के लिए छोड़कर चले गए वह इस दौरान अकेली ही रहीं। चारु कहती हैं कि उनके बीच कई चीजों को लेकर झगड़े होते थे जिसे उन्होंने ठीक करने की कोशिश की लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। ईटाइम्स के साथ इंटरव्यू में चारु ने बताया,%राजीव को गुस्सा जल्दी आ जाता है। वह गालियां देता था और यहां तक कि मुझ पर एक-दो बार हाथ भी उठाया। वह मुझ पर शक करता है कि मैं उसे धोखा दे रही हूं। जब मैं अकबर का बीरबल की शूटिंग कर रही थी तो उसने मुझे मैसेज किया कि अपने को-एक्टर्स को खुद से दूर रखूं। मुझे अपना काम करने में दिक्कत हो रही थी। मुझे लगता कि वह मुझे धोखा दे रहा था लेकिन ये सब मैं साबित नहीं कर सकती थी। चारु को इस बात का पछतावा है कि उन्होंने अपनी शादी को दूसरा मौका देने के बारे में सोचा। वह जल्द ही तलाक की प्रक्रिया शुरू करेंगी। चारु कहती हैं, यह बहुत बड़ी गलती थी।और डर्टी होता जाएगा अगर यह शादी और खींची तो। जियाना के लिए यह टॉक्सिक हो जाएगा। जब मैंने अपने परिवार को उसके बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि अलग होकर सही कर रही हूं। मेरे पास किराए का घर है। जब मैं मुंबई लौटूंगी तो सीधे वहीं जाऊंगी और तलाक की प्रक्रिया शुरू करूंगी। उम्मीद है कि वह और परेशानी पैदा नहीं करेगा और इसके लिए सहमत हो जाएगा। मुझे एलीमनी नहीं चाहिए। मैं इस शादी को और खींचना नहीं चाहती। मैंने पहले ही साढ़े तीन साल बर्बाद कर दिए। दूसरी तरफ राजीव का कहना है कि इस तरह के आरोप बकवास हैं। उसे हमेशा पता होता था कि वो कहां हैं। वह कई बार बिना वजह से मुंबई छोड़कर चली गई।

पहली डेट पर सुजैन ने भरा था ऋतिक का बिल

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान पिछले कुछ वक्त से सुर्खियों में हैं। अर्सलान गोनी के साथ हाल ही में उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हुईं जिनमें सुजैन और अर्सलान लिपलॉक करते नजर आए। खबर है कि दोनों एक दूसरे के साथ इंटेन्स रिलेशनशिप में हैं। 14 साल तक ऋतिक रोशन के साथ शादी के बंधन में रहीं सुजैन आज (26 अक्टूबर) को अपना 44वां बर्थडे मना रही हैं। सुजैन खान और ऋतिक रोशन की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रही है। दोनों की मुलाकात एक ट्रैफिक सिग्नल पर हुई थी जब रेड लाइट थी और दोनों की गाड़ियां अगल-बगल रुकी हुई थीं। ऋतिक रोशन खुद गाड़ी ड्राइव कर रहे थे और उन्होंने अपनी बाईं ओर वाली गाड़ी में एक खूबसूरत लड़की को देखा। कहते हैं कि पहली ही मुलाकात में ऋतिक अपना दिल हार बैठे थे। हालांकि फिर ग्रीन लाइट हुई और सुजैन और ऋतिक अपनी-अपनी राह चले गए। लेकिन किस्मत ने ऐसे पासे फेंके कि दोनों एक पार्टी में फिर मिले। मौका था ऋतिक रोशन की बहन सुनैना रोशन की सगाई का और सुजैन ने ट्रैडिशनल कपड़े पहन रखे थे। ऋतिक बला की खूबसूरत दिख रहीं सुजैन पर फिदा थे और यहां से दोनों के बीच बातचीत और लव लेटर्स का सिलसिला शुरू हो गया।दोनों की उम्र में 4 साल का फासला होने के बावजूद दोनों के दिल एक दूसरे के लिए धड़क रहे थे। कम लोग जानते हैं कि पहली डेट पर ऋतिक रोशन ने नहीं बल्कि सुजैन खान ने बिल पे किया था। उन्होंने एक दिन कॉपी के मग में एक बैंड डाला और कॉफी खत्म होने पर जब सुजैन को वो बैंड मिला तो ऋतिक ने उनसे पूछा कि क्या वो हमेशा उनके साथ रहना पसंद करेंगी? इस तरह दोनों की कहानी आगे बढ़ी और साल 2000 में दोनों ने शादी कर ली।

प्रियंका ने विदेश में निक जोनस संग मनाई दिवाली

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस भले ही विदेश में सेटल हो गई हैं, लेकिन उसके बावजूद किसी भी त्योहार या खास मौके पर उनका जोश कम नहीं दिखता है। दिवाली को भी प्रियंका ने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ सेलिब्रेट किया और तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। हालांकि इन तस्वीरों में मालती का चेहरा छिपा हुआ है। प्रियंका चोपड़ा ने पति निक और बेटी मालती के साथ लॉस एंजेलिस में दिवाली मनाई। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सिल्वर-सफेद कपड़ों में कपल नजर आ रहा है। एक ओर जहां प्रियंका ने लहंगा चोली पहना हुआ है तोदूसरी ओर निक भी देसी कुर्ता-पायजामा में काफी डैशिंग दिख रहे हैं। एक फोटो में कपल बेटी के साथ पोज दे रहा है तो दूसरी में तीनों पूजा करते दिख रहे हैं। इन तस्वीरों को सोशल मीडिया यूजर्स खूब पसंद कर रहे हैं और तीनों पर प्यार लुटा रहे हैं। याद दिला दें कि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। प्रियंका के इंस्टाग्राम फोटोज और वीडियोज फैन्स पसंद करते हैं और अक्सर वायरल हो जाते हैं। प्रियंका अक्सर बेटी मालती संग भी तस्वीरें शेयर करती हैं, लेकिन हर फोटो में मालती का चेहरा छिपा होता है। प्रियंका के इस जेश्चर को एक ओर जहां फैन्स पसंद करते हैं तो वहीं कई बार प्यार भरी नाराजगी भी जताते हैं और पूछते हैं कि आखिर कब मालती का चेहरा, प्रियंका फैन्स को दिखाएंगी।

वेडिंग एनिवर्सिरी पर रोमांटिक हुए नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत

नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह ने सोमवार को दिवाली के साथ अपनी वेडिंग एनिवर्सिरी भी सेलिब्रेट की। नेहा ने फैन्स के साथ अपनी ये खुशी साझा की है। दिवाली पर नेहा ने परिवार के सदस्यों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। जश्न के इस मौके पर सभी एक साथ जुटे हैं। नेहा और रोहनप्रीत मैचिंग आउटफिट पहने हैं। नेहा ने बताया कि सभी के आउटफिट उन्होंने तैयार किया है। उन्होंने एक डांसिंग वीडियो भी शेयर किया और अपने फैन्स को दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। नेहा ने व्हाइट कलर का ट्रेडिशनल आउटफिट पहना है। इसके ऊपर उन्होंने ग्रीन दुपट्टा और ग्रीन चूड़ियां कैरी की हैं। रोहनप्रीत ऑफ व्हाइट कलर के कुर्ता, पैजामा और ग्रीन पगड़ी में हैं। नेहा ने फैमिली फोटो भी साझा की जिसमें उनके भाई टोनी कक्कड़, उनके माता-पिता नीति कक्कड़ और ऋषिकेश कक्कड़ हैं। नेहा ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें कपल एक दूसरे को किस कर रहा है। नेहा ने कैप्शन दिया, हमें शादी की बधाई। नेहा वीडियो में रोहनप्रीत से कहती हैं, 'लव यू।' दोनों साथ में हैप्पी दिवाली कहते हैं और अंत में नेहा बैकग्राउंड में बज रहे गाने पर डांस करती हैं।

पति की सिगरेट छुड़ाने के लिए श्रीदेवी ने खतरे में डाली थी जान!

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपनी मां श्रीदेवी और पिता बोनी कपूर से जुड़ी एक चौंकाने वाली बात का खुलासा किया है। बोनी कपूर ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि एक बार उनकी मां श्रीदेवी पूरी तरह से वेजिटेरियन बन गई थीं, बावजूद इसके कि डॉक्टरों ने उन्हें खासतौर पर नॉन वेज खाने की सलाह दी थी क्योंकि उनका शरीर बहुत कमजोर था। जाह्नवी कपूर ने यह भी बताया कि उनकी दिवंगत मां श्रीदेवी और बहन खुशी कपूर ने बोनी कपूर की सिगरेट छुड़ाने के लिए क्या-क्या किया। दिग्गज एक्ट्रेस श्रीदेवी और बोनी कपूर की शादी साल 1996 में हुई थी। जाह्नवी कपूर एक्ट्रेस श्रीदेवी और प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बड़ी बेटी हैं। उनकी एक बेटी और हैं जिनका नाम खुशी कपूर है। खुशी जल्द ही सिनेमा जगत में अपना डेब्यू करेंगी।

पिंकविला के साथ बातचीत में जाह्नवी कपूर ने बताया कि एक बार उनके पिता बोनी कपूर को सिगरेट की लत लग गई और वह इसे छोड़ नहीं पा रहे थे। जाह्नवी कपूर ने बताया, बहुत पहले की बात है, मुझे याद है कि हम जुहू वाले घर में रहा करते थे, पापा बहुत सिगरेट पीने लगे थे। मेरे ख्याल से यह नो एंट्री और वांटेड के टाइम की बात है। मैं और खुशी हर रोज पापा की सिगरेट्स बर्बाद करने की तरीके खोजते थे। तो या तो हम जाकर उनकी सिगरेट्स काट डालते थे या फिर उन पर टूथपेस्ट डाल देते थे। कुछ भी काम नहीं कर रहा था, तब मां भी उनसे इस चीज के लिए लड़ा करती थीं। जाह्नवी कपूर ने बताया, तब मां वेजिटेरियन बन गईं। मैं नॉन-वेज नहीं खाऊंगी जब तक आप सिगरेट नहीं छोड़ेंगे। तब डॉक्टरों ने कहा कि ऐसा मत कीजिए आप बहुत कमजोर हैं। आपको ज्यादा खाने की जरूरत है, पर मां अपनी बात पर अड़ गईं। तब पापा उनके सामने गिड़गिड़ाया करते थे। फिर 4-5 साल पहले पापा ने कहा कि वह चाहती थी मैं सिगरेट छोड़ दूं। तब मैं नहीं छोड़ पाया। लेकिन अब छोड़ रहा हूं।

छठ की तैयारियां पूरी, बैराज में आएंगी 60 हजार महिलाएं

जय हिन्द संवाद

नोएडा। सकुशल दिवाली का आयोजन करवाने के बाद अब नोएडा पुलिस ने छठ पर्व को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। नोएडा पुलिस, विकास प्राधिकरण और सिंचाई विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। इस बारे में मंगलवार को नोएडा के एडिशनल डिप्टी पुलिस कमिश्नर आशुतोष द्विवेदी ने विस्तार से जानकारी दी है। यमुना नदी के ओखला बैराज पर ही करीब 60,000 श्रद्धालु महिलाओं के पहुंचने की संभावना है। पूरे जिले में करीब एक दर्जन स्थानों पर छठ पर्व का आयोजन होता है। यमुना नदी के ओखला बैराज पर व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। यहीं सबसे बड़ा आयोजन होता है।

नोएडा के एडिशनल डीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने कहा, सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। यमुना नदी के ओखला बैराज पर करीब 60,000 श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में 8 गोताखोर यहां तैनात रहेंगे। उनके साथ 10 और सहयोगी रहेंगे। लोगों के पास ना उपलब्ध है नाव अच्छी स्थिति में हैं। सत्यापन कर लिया गया है। नोएडा पुलिस के अलावा पीएसी तैनात की जाएगी। पीएसी के स्टीमर भी यमुना नदी पर रहेंगे। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पूरी व्यवस्थाएं की जा रही है। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि मंगलवार की सुबह उन्होंने नोएडा विकास प्राधिकरण और सिंचाई विभाग के अफसरों के साथ ओखला बैराज का दौरा किया है। श्रद्धालुओं के लिए बंदोबस्त और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि यमुना नदी में इस वक्त पानी ज्यादा है। जिसे कम करने के लिए ओखला बैराज के गेट बंद करवाए गए हैं। इससे 30 तारीख से पहले ही जलस्तर नीचे आ जाएगा। घाट तक पहुंचने के लिए रास्ते में झाड़ियां और कांटे खड़े हो गए हैं। इन्हें काटने के लिए विकास प्राधिकरण और सिंचाई विभाग सहयोग करेंगे। दोनों निकायों की ओर से कहा गया है कि अगले दो दिनों में पहुंच मार्ग पूरी तरह साफ हो जाएगा। आपको बता दें कि छठ पर्व का आयोजन 30 अक्टूबर की रात से 31 अक्टूबर की प्रात: तक आयोजन किया जाएगा।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट में छठ पर्व का आयोजन करीब एक दर्जन स्थानों पर किया जाता है। सबसे बड़ा आयोजन यमुना नदी के किनारे नोएडा में ओखला बैराज के समीप ही होता है।

यहां हर साल 50-60 हजार महिलाएं छठी मैया को नहाए खाए और अस्तांचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचती हैं। इसके अलावा हिंडन नदी के किनारे पर भी कई जगह आयोजन किया जाता है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में कृत्रिम तालाब और घाट बनाए गए हैं। ग्रेटर नोएडा शहर में भी कृत्रिम तालाबों का निर्माण किया गया है।

दादरी। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुनील बंसल से चुनावी चर्चा करते दादरी के विधायक तेज पाल नागर।
(छाया : जय हिन्द जनाब)

पटाखे जलाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद से एक और खबर सामने आ रही है, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। यह वीडियो नंद ग्राम थाना क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन की है। बताया जा रहा है कि एक युवक ने नशे की हालत में महिलाओं के साथ बदतमीजी की थी। जिसके बाद महिलाओं और अन्य लोगों ने उस युवक के साथ मारपीट की है। बताया जा रहा है कि इस मामले की शिकायत सोसाइटी के लोगों ने गाजियाबाद पुलिस से की है।

दो पक्षों में किसी बात को लेकर लड़ाई हो रही है। बताया जा रहा है कि इस लड़ाई के बीच जमकर जूते-चप्पल चले हैं।

बच्चों को मिठाई व दिवाली के दिए देकर मनाई गई दीपावली

जय हिन्द संवाद

नोएडा। दीपावली के अवसर पर नारायण सांस्कृतिक चेतना न्यास व श्री चित्रगुप्त सभा ट्रस्ट द्वारा सेक्टर 94 स्थित पुस्ता के पास आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों के बीच दिवाली के लिए दीपक, सरसों का तेल, मिठाई व अन्य खाद्य सामग्री, जूट बैग के साथ वितरित की गई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ राजन श्रीवास्तव ने कहा कि पैसे के अभाव में कोई बच्चा दिवाली में रोशनी से वंचित न रह जाए इसी सोच को लेकर आज बच्चों को दिवाली में ये सामग्री वितरित की गई है। गौरतलब है कि दिवाली का सामान पाने के बाद बच्चों के चेहरे खिल उठे और उनमे एक अलग ही चमक दिखाई दे रही थी। दिवाली में बच्चों की आंखों में खुशी देखने की आशा व उनके साथ खुशियां बांटने से जिस सुकून ही अलग है। डॉ राजन कुमार ने वहां की स्थिति को देखकर फैसला किया।

युवक ने यमुना नदी में लगाई छलांग, पुलिस ने बचाई जान

जय हिन्द संवाद

नोएडा। एक युवक ने कालिंदी कुंज से यमुना नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि युवक ने कालिंदी कुंज पुल के पास अपनी स्कूटी खड़ी करके यमुना नदी में छलांग लगाई। हालांकि, सूचना मिलने के बाद नोएडा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को बचा लिया है। वैसे तो यह मामला दिल्ली का है, लेकिन नोएडा पुलिस ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए युवक की जान बचाई। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया प्रभारी पंकज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिली थी कि कालिंदी कुंज पुल से एक युवक ने यमुना नदी में छलांग लगा दी। सूचना मिलने के बाद नोएडा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां जाकर पता चला यह घटनास्थल दिल्ली पुलिस के अंतर्गत आता है, लेकिन उसके बावजूद भी नोएडा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए पुलिस के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को यमुना नदी से बाहर निकलवाया है। युवक की जान बच गई है।

आतिशबाजी में नंबर-1 रहा गाजियाबाद

गाजियाबाद। दीपावली पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आतिशबाजी पर पूर्ण तरीके से रोक है। उसके बावजूद भी लोग खूब आतिशबाजी करते हैं। दीपावली और धनतेरस के दिन गाजियाबाद में 30 से भी अधिक आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची। माना जा रहा है कि गाजियाबाद में सबसे ज्यादा आतिशबाजी हुई है।

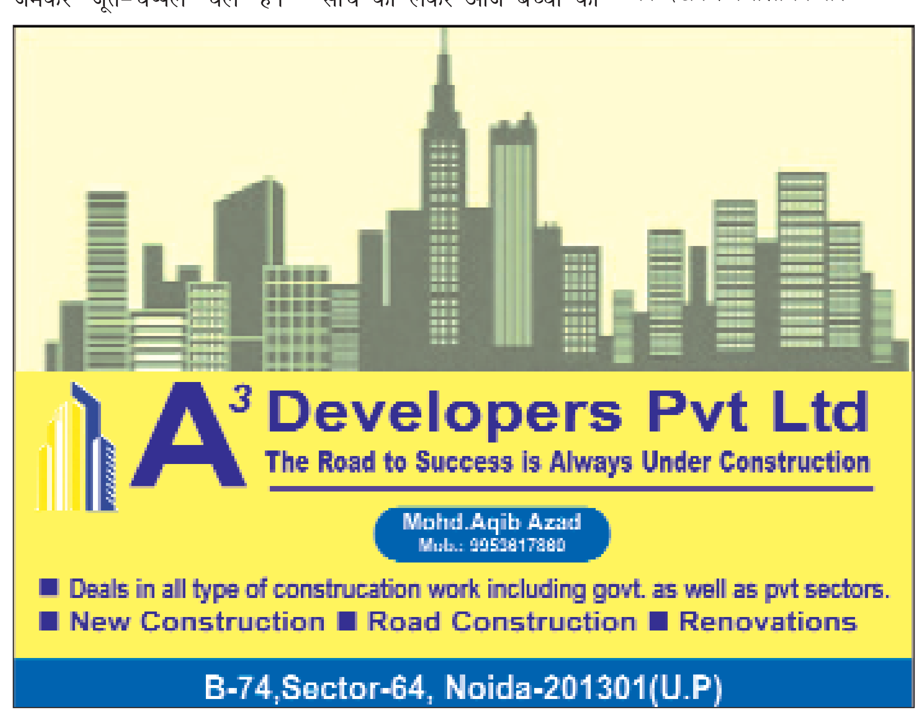

नोएडा। हेदायतुल्लाह फाउंडेशन की तरफ से मेरा स्वागत किया गया जो कांग्रेस का राष्ट्रीय कार्यकारी का सदस्य और राष्ट्रीय इंचार्ज दस्तकार नियुक्त करने पर दिया गया साथ ही 3 लोगो को पीएचडी मिलने पे भी समान्नित किया गया। इस मौके पे शिक्षा और देश के राजनैतिक मुद्दो और समाज के डेवलपमेंट की भी बात की गई। **(छाया : जय हिन्द जनाब)**

श्री शनि सेवा समिति के उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक राजीव मिश्रा ने पद से दिया इस्तीफा

जय हिन्द संवाद

नोएडा। श्री शनि सेवा समिति के उपाध्यक्ष व संयोजक कार्यक्रम से राजीव मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस आशय का पत्र श्री शनि सेवा समिति के अध्यक्ष मान सिंह चौहान को भेज दिया है। राजीव मिश्रा ने बताया कि वे सदस्य के तौर पर अपनी सेवाएं जारी रखें।

नोएडा। दीवाली की शाम चार लोगों के लिए खतरनाक साबित हुई। दो बाइक सवार महामाया ओवरब्रिज के पास खूबसूरत रोशनी को देखने के लिए अचानक रूके तो पीछे से तेजी से आती कार ने उन्हें टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों बाइक सवार और दोनों कार सवार घायल हो गए। **(छाया : जय हिन्द जनाब)**

दिवाली में दिए की लौ से जला पूरा फ्लैट

जय हिन्द संवाद

ग्रेटर नोएडा। दीपावली की रात को ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक बड़ा हादसा हुआ है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में स्थित वेदांतम हाउसिंग सोसायटी के एक फ्लैट में रात करीब 10:00 बजे आग लग गई। इस हादसे में पूरा फ्लैट जल गया है। हादसे में लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया है। शुरुआती जांच में बताया जा रहा है कि दीपावली पर दीए की लौ से यह आग लगी है। इस मामले में अभी जांच की जा रही है। आग इतनी भयंकर थी कि ऊपरी हिस्से के पूरे इलाके को खाली करवाया गया। टावर के ऊपरी हिस्से में रहने वाले लोगों को तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम ने बाहर निकाला। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक यह पूरी घटना बिसरख कोतवाली क्षेत्र में स्थित ग्रेटर नोएडा वेस्ट के वेदांतम हाउसिंग सोसायटी की है। मिली जानकारी के मुताबिक दीपावली की देर रात करीब 10:00 बजे क्2 टावर के 17 फ्लोर पर स्थित 1704 फ्लैट नंबर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बहुत तेजी के साथ आग लगने के कारण पूरी सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त हो गया।

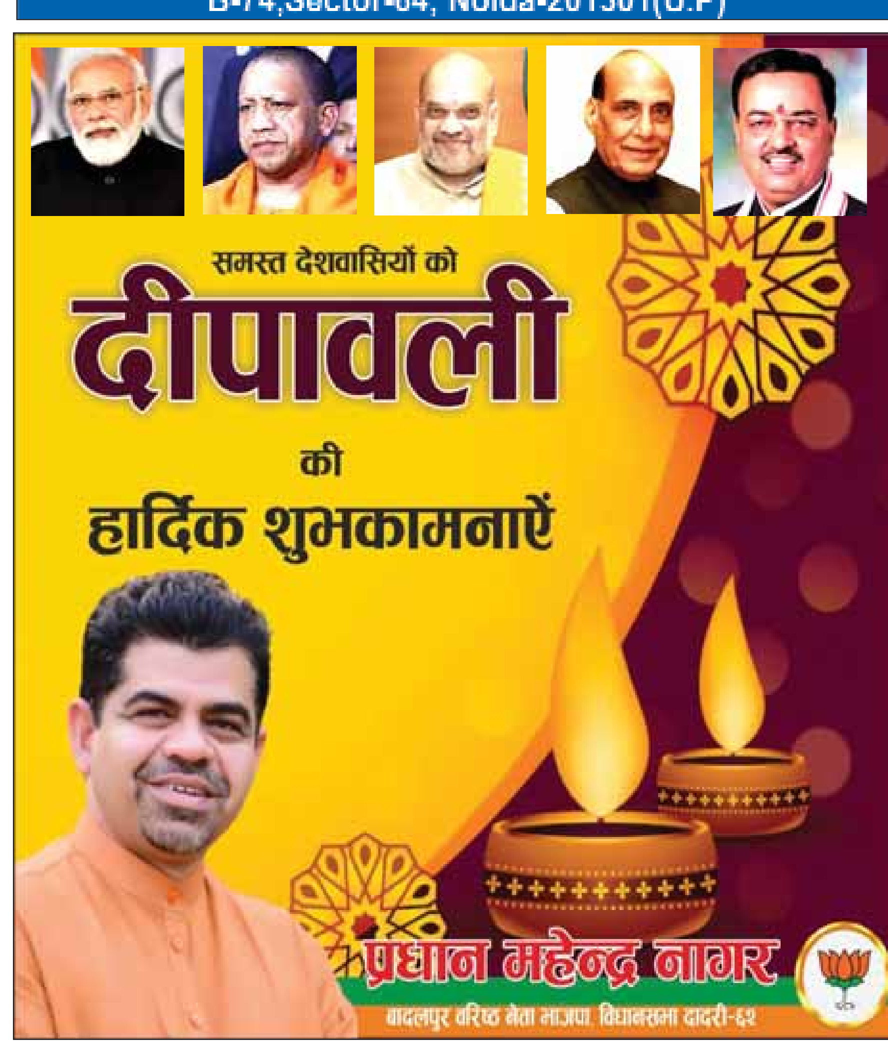

जे. एच. जे. कम्यूनिकेशन प्रा.लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **मोहम्मद इमरान** द्वारा सी-65, सेक्टर-9 नोएडा, से प्रकाशित व बीएफएल इंफोटेक लि., सी-9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। संपादक **मोहम्मद आजाद** (RNI No. : UPHIN/05/14445), **(सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा)** फोन नं. 9311220786. फैक्स : 0120:4267616. Email: jaihindjanab00@gmail.com